दैनिक

जर्नलिस्ट डेस्क

खबर पक्की है

प्रधान संपादक-मनीष मेहता

RNI-MPHIN/2017/73718

भोपाल
शुक्रवार 28 जुलाई 2023
वर्ष-06 अंक-341
पृष्ठ-8 मूल्य 2.00 रु.

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर न्यास ने जारी किया अयोध्या में बन रहे श्रीराम मंदिर का नया वीडियो

पांच मंडप के खंभे तैयार, इनॉगरेशन जनवरी में, प्रधानमंत्री मोदी को न्योता

अयोध्या, एजेंसी। अयोध्या में बन रहे श्रीराम मंदिर का नया वीडियो श्रीराम जन्मभूमि मंदिर न्यास ने जारी किया है। इसमें 5 मंडप के खंभे तैयार दिखाई दे रहे हैं। साथ ही दीवारों पर उकेरी गई देवमूर्ति और नक्काशी को कारीगर फाइनल टच देते दिख रहे हैं। वीडियो 43 सेकेंड का है। इसे ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने गुरुवार को ट्वीट किया।

इसमें उन्होंने कैप्शन में लिखा कि हरि अनंत हरि कथा अनंता। कहहिं सुनहिं बहुबिधि सब संता॥ रामचंद्र के चरित सुहाए। कलप कोटि लगि जाहिं न गाए वीडियो के बैकग्राउंड में रघुपति राघव राजाराम पतित पावन सीताराम भजन चल रहा है। इसमें पहले शॉट में राम मंदिर के भव्य दृश्य को दिखाया गया है। दूसरे में कलाकार मूर्ति पर नक्काशी करते दिख रहे हैं।

तीसरे में गर्भगृह दिख रहा है। चौथे में गर्भगृह के अंदर की नक्काशी दिखाई गई है।

इनॉगरेशन के लिए पीएम से मांगी डेट्स : श्रीराम मंदिर में राम लला की प्रतिष्ठा जनवरी 2024 में होगी। इसके लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को औपचारिक न्योता भेज दिया है। ट्रस्ट के सदस्य ने इसकी पुष्टि की है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में राम मंदिर ट्रस्ट करीब 10 हजार लोगों को आमंत्रण भेजेगा। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के मुताबिक, हमने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर औपचारिक रूप से न्योता दिया है। इसमें 15 जनवरी से 24 जनवरी 2024 के बीच की डेट्स दी गई हैं, लेकिन असल तारीख का फैसला प्रधानमंत्री ही करेंगे। प्रधानमंत्री को जो चिट्ठी भेजी गई है, उसमें मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष नृत्य गोपाल दास के साइन हैं।

प्रशासन बना रहा चाक-चौबंद सुरक्षा का प्लान : 9 नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने करीब 100 साल पुराने राम मंदिर मामले में फैसला सुनाया था और विवादित स्थल पर राम मंदिर बनवाने की बात कही थी। अगस्त 2020 में मोदी ने भूमि पूजन किया था। वहीं, अयोध्या प्रशासन प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन वीआईपी के अलावा जबर्दस्त भीड़ उमड़ने का अनुमान लगा रहा है। किसी को तकलीफ और सुरक्षा में चूक न हो, इसे लेकर सिक्योरिटी एजेंसियों ने फुलप्रूफ डिजाइन पर काम करना शुरू कर दिया है।

प्रदेश के 76 लाख से अधिक किसानों के खातों में 1 हजार 680 करोड़ रूपए से अधिक अंतरित किए

प्रधानमंत्री किसानों की समृद्धि के लिए निरंतर प्रयासरतः मुख्यमंत्री

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में राजस्थान के सीकर में हुए किसान सम्मेलन में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान निवास कार्यालय, समत्व भवन से वर्चुअली शामिल हुए। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देशभर के किसानों के खाते में प्रधानमंत्री किसान योजना की 14वीं किस्त जारी की। इसके अंतर्गत मध्यप्रदेश के 76 लाख से अधिक किसानों के खातों में 1 हजार 680 करोड़ रूपए से अधिक की राशि अंतरित की गई। इसके साथ ही प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किसान कल्याण के लिए कई नई गतिविधियों का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 1 लाख 25 हजार किसान समृद्धि केन्द्र राष्ट्र को समर्पित किए। ये केन्द्र उर्वरक, बीज, उपकरण, मिट्टी परीक्षण जैसी सुविधा उपलब्ध कराने के साथ-साथ किसानों को जागरूक करने और उन्हें शासकीय योजनाओं की जानकारी देने का कार्य भी करेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री श्री मोदी की किसान कल्याण गतिविधियों के लिए उनका आभार माना । मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं व्यक्त करता हुआ लिखा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी किसानों की समृद्धि के लिए निरंतर योजनाबद्ध तरीके से प्रयास कर रहे हैं। आज उन्होंने पीएम किसान सम्मान निधि की लगभग 18 हजार करोड़ राशि सीधे देश के किसानों के बैंक खातों में हस्तांतरित कर अन्नदाता की समृद्धि का नव-मार्ग प्रशस्त किया है। उनका प्रदेश और देश के किसानों की ओर से हृदय से आभार।

पीएम किसान समृद्धि केन्द्र% आधुनिक

प्रधानमंत्री श्री मोदी का माना आभार

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुए किसान सम्मेलन में मुख्यमंत्री वर्चुअली हुए शामिल

खेती के लिए होंगे उपयोगी : मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अपने ट्वीट में कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देशभर में 1.25 लाख %पीएम किसान समृद्धि केंद्रों% की शुरुआत कर अन्नदाता को ऐसा उपहार दिया है, जिससे किसान को खाद, बीज और कृषि यंत्रों के लिए कहीं और जाने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। आधुनिक खेती के लिए की इस केंद्र से जानकारी मिलेगी। %ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ह्लह्लष्ठष्ट)% की सुविधा प्रारम्भ होने से अब देश के किसी भी कोने में बैठे किसान को अपनी उपज को बाजार तक पहुँचाना और भी आसान हो जायेगा। ऐसे अभिनव और रचनात्मक प्रयासों के लिए प्रधानमंत्री जी का अभिनन्दन है। प्रधानमंत्री श्री मोदी सब्सिडी के रूप में एक बड़ी राशि खर्च कर देश के किसानों को तुलनात्मक रूप से कम दर पर यूरिया उपलब्ध करा रहे हैं, जो अन्य देशों में यूरिया की कीमतों से बहुत कम है। किसानों के कल्याण के निरंतर प्रयास के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का हृदय से आभार।

विकास पर्व के दौरान प्रदेश में लगभग 18 हजार 870 करोड़ 34 लाख के भूमि-पूजन एवं लोकार्पण

भोपाल। प्रदेश में चलाए जा रहे विकास पर्व के दौरान 26 जुलाई तक लगभग 18 हजार 870 करोड़ 34 लाख 70 हजार रूपये लागत के विकास एवं निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन/लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 26 जुलाई को जिला सिंगरौली में विकास पर्व पर 693 करोड़ 44 लाख के भूमि-पूजन एवं लोकार्पण किया। प्रदेश के सभी जिलों में विकास एवं निर्माण कार्यों के लोकार्पण एवं भूमि-पूजन का क्रम जारी है। प्रदेश में विकास पर्व के ग्यारहवें दिन 26 जुलाई को कुल 774 करोड़ 64 लाख 78 हजार रूपये के विकास एवं निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया गया। हरदा जिले में 20 लाख 17 हजार, इंदौर जिले में 2 करोड़ 71 लाख 14 हजार, सागर जिले में 3 करोड़ 20 लाख 39 हजार, जबलपुर जिले में 37 करोड़ 38 लाख 40 हजार, सतना जिले में 35 लाख 76 हजार, खण्डवा जिले में 10 करोड़, रतलाम जिले में 1 करोड़ 40 लाख 13 हजार, रीवा जिले में 23 लाख 98 हजार, मुरैना जिले में एक करोड़ 32 लाख, अशोक नगर जिले में 9 करोड़ 73 लाख 98 हजार, खरगोन जिले में 2 करोड़ 89 लाख, दमोह जिले में 2 करोड़ 44 लाख, गुना जिले में 79 लाख, उमरिया जिले में 33 लाख 83 हजार, झाबुआ जिले में 15 लाख और शहडोल एक करोड़ 4 लाख विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किये गये।

मुख्यमंत्री ने दी केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को विदाई

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह को राजकीय विमानतल पर भावभीनी विदाई दी। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा तथा सांसद श्री वी.डी. शर्मा भी उपस्थित थे। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह 26 जुलाई को एक दिवसीय प्रवास पर भोपाल आए थे। उनकी रवानगी से पहले गुरुवार सुबह निजी होटल में उनसे मिलने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, गृह मंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा भी पहुंचे। शाह ने करीब 01 घंटा होटल के कक्ष में सीएम शिवराज के साथ मंत्रणा की। बुधवार को अमित शाह की मौजूदगी में भाजपा कार्यालय में हुई कोर ग्रुप की बैठक में विजय संकल्प यात्रा के रोडमैप को अंतिम रूप दिया गया। सितंबर से यह यात्रा प्रदेश के चार स्थानों से प्रारंभ होगी। अंचलवार विधानसभा क्षेत्रों के फीडबैक पर भी चर्चा की गई। इसके अलावा बैठक में पार्टी की चुनाव समितियों को अंतिम रूप दिया गया। इसमें इंटरनेट मीडिया, विज्ञापन-क्रिएशन, काल सेंटर, चुनाव आयोग प्रबंधन, चुनाव प्रबंधन, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और पार्टी के राष्टीय अध्यक्ष के प्रवास की व्यवस्था संबंधी समिति, एविएशन समिति और वित्त समिति शामिल हैं। इन समितियों में चार से लेकर 13 सदस्य रखे गए हैं। अमित शाह 30 जुलाई को इंदौर आ रहे हैं। जुलाई माह में मप्र में उनका यह तीसरा दौरा होगा।

जारी रहेगा बारिश का दौर, भोपाल, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन संभागों में बौछारें पड़ने की संभावना

भोपाल। बंगाल की खाड़ी में ओडिशा और उससे लगे आंध्रा के तट पर बना अति कम दबाव का क्षेत्र कमजोर पड़कर कम दबाव के क्षेत्र में बदल गया है। मानसून द्रोणिका वर्तमान में जबलपुर से होकर गुजर रही है। इसके अतिरिक्त अलग-अलग स्थानों पर तीन अन्य मौसम प्रणालियां भी सक्रिय हैं। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक नमी आने के कारण गुरुवार-शुक्रवार को भोपाल, नर्मदापुरम, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर संभाग के जिलों में बौछारें पड़ सकती हैं। उधर पिछले 24 घंटों के दौरान गुरुवार सुबह साढ़े आठ बजे तक नर्मदापुरम में 72, शिवपुरी में 20, गुना में 17.4, पचमढ़ी में 15.2, भोपाल में 12.4, मलाजखंड में 10.2, सागर में 8.6, उज्जैन में 0.6, रायसेन में 0.2 मिलीमीटर वर्षा हुई। दतिया, इंदौर में बूंदाबांदी हुई।

मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में दक्षिण ओडिशा एवं उससे लगे उत्तरी आंध्रा के तट पर कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। मानसून द्रोणिका बीकानेर, कोटा, जबलपुर से छत्तीसगढ़, ओडिशा से कम दबाव के क्षेत्र से होते हुए बंगाल की खाड़ी तक जा रही है। पंजाब पर हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। पाकिस्तान और उससे लगे जम्मू-कश्मीर पर एक पश्चिमी विक्षोभ द्रोणिका के रूप में मौजूद है। कोंकण से लेकर केरल के तट तक अपतटीय द्रोणिका भी बनी है। मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि इन मौसम प्रणालियों के असर से कुछ नमी आने के कारण विभिन्न जिलों में रुक-रुककर वर्षा हो रही है। गुरुवार-शुक्रवार को भोपाल, नर्मदापुरम, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर संभाग के जिलों में बौछारें पड़ सकती हैं।

मुख्यमंत्री महिला पुलिस को 250 दोपहिया वाहनों की सौंपेंगे चाबी

महिला पुलिस सशक्तिकरण का 28 जुलाई को नया अध्याय होगा शुरूः डॉ. मिश्रा

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान प्रदेश में महिला पुलिस सशक्तिकरण की दिशा में नये अध्याय की शुरूआत करने जा रहे हैं। महिला संबंधी अपराधों के प्रभावी नियंत्रण के लिये महिला पुलिस को 250 दोपहिया वाहनों की चाबियाँ 28 जुलाई शुक्रवार को प्रात- 10.45 बजे मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में सौंपी जायेंगी। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री चौहान के नेतृत्व में पुलिस विभाग को आधुनिक संसाधनों से निरंतर सशक्त किया जा रहा है। दोपहिया वाहनों की महिला पुलिस को सौगात महिला अपराधों पर नियंत्रण में कारगर सिद्ध होगी। पीड़िताओं को शीघ्र न्याय दिलाने के लिये मुख्यमंत्री श्री चौहान की मंशा अनुरूप पुलिस को अत्याधुनिक संसाधनों से लैस किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान शुक्रवार सुबह मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में प्रदेश के विभिन्न थानों में संचालित की जा रही 950 ऊर्जा महिला हेल्प डेस्क को सशक्त बनाने के लिये दोपहिया वाहनों की चाबियाँ सौंपेंगे। इसके बाद स्टेडियम के मुख्य द्वार से ऊर्जा महिला हेल्प डेस्क को आवंटित 250 दोपहिया वाहनों को हरी झण्डी दिखा कर रवाना करेंगे। वाहन रैली विभिन्न मार्गों से होते हुए वापस स्टेडियम आयेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान सामुदायिक पुलिसिंग के अंतर्गत बालकों एवं पुरुषों को महिला संबंधी अपराधों एवं लैंगिक समानता के प्रति जागरूक करने के लिये चलाये जा रहे विशेष जागरूकता अभियान ÷मैं हूँ अभिमन्यु%% पर तैयार पोस्टर पुस्तिका का विमोचन भी करेंगे। ऊर्जा महिला हेल्प डेस्क की 250 वाहनों की रैली मोतीलाल नेहरू स्टेडियम से शुरू होकर विजय द्वार, कंट्रोल रूम चौराहा, राजभवन तिराहा से रोशनपुरा, टीटी नगर, प्लेटिनम प्लाजा, अटल पथ, जवाहर चौक, रंगमहल चौराहा, रोशनपुरा चौराहा, राजभवन तिराहा, पुलिस कंट्रोल रूम से होती हुई पुलिस पेट्रोल पंप के सामने स्थित विजय द्वार लाल परेड ग्राउंड के गेट से प्रवेश कर मोतीलाल नेहरू स्टेडियम समाप्त होगी।

महिला सुरक्षा शाखा द्वारा चलाए जा रहे विशेष जागरूकता अभियान : ÷मैं हूँ अभिमन्यु÷ की थीम ÷आओ लड़कों को सिखाएँ÷ हैं। इसके द्वारा बालकों/पुरुषों को लैंगिक समानता एवं संस्कारों का ज्ञान देने के साथ ही महिलाओं के प्रति संवेदनशील बनाने की पहल की गई है। अभियान का दूसरा चरण 1 अगस्त से 15 अगस्त तक पूरे प्रदेश में चलेगा। द्वितीय चरण में स्कूल, कॉलेज, सार्वजनिक स्थानों पर वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ, प्रश्नावली, नुक्कड़ नाटक, लघु फिल्म प्रदर्शन, मैराथन दौड़ जैसे कार्यक्रम किये जायेंगे। जून माह में प्रारंभ किये गये इस अभियान के पहले चरण में प्रदेश में 300 से अधिक कार्यक्रम किए गए, जिसमें एक लाख से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

राज्यसभा में पारित हुआ सिनेमैटोग्राफ (संशोधन) विधेयक, 2023

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद में जारी हंगामें के बीच आज राज्यसभा ने फिल्म पायरेसी के खतरे को रोकने और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) द्वारा दिए गए आयु-आधारित प्रमाणन में सुधार के साथ-साथ सभी प्लेटफार्मों पर फिल्मों और सामग्री के वर्गीकरण में एकरूपता लाने के लिए सिनेमैटोग्राफ (संशोधन) विधेयक 2023 पारित किया।

जन विश्वास विधेयक, 2023 लोकसभा में पारितः विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा में जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक, 2023 पारित किया गया। सरकार ने राज्यसभा में कहा कि परिवेश पोर्टल से मंजूरी की आवश्यकता वाली परियोजनाओं से जुड़ी जानकारी को नहीं हटाया जाता है। इसके साथ ही सरकार ने कहा कि उसने मंजूरी देने की प्रक्रिया को वस्तुत- पारदर्शी बना दिया है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) सदस्य बिनय विश्वम के एक सवाल के लिखित जवाब में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने राज्यसभा में यह जानकारी दी।

संत शिरोमणि रविदास जी की रथ यात्रा बरघाट विधानसभा पहुंची

जहां पर बड़ी संख्या में भाजपा ने स्वागत किया

सिवनी, एजेंसी। संत शिरोमणि रविदास जी की रथ यात्रा आज सिवनी जिले के बरघाट विधानसभा पहुंची जहां पर बड़ी संख्या में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने इस यात्रा का शानदार स्वागत किया। इस यात्रा को प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हरी झंडी दिखाकर चरण पादुका पूजन के साथ सिंगरौली से रवाना किया था। इसके साथ प्रदेश में चार यात्राएँ एक साथ रवाना हुई है । बालाघाट से प्रारंभ समरसता यात्रा का सिवनी जिले की सीमा धरमकुँआ में भाजपा के नेताओं ने अगवानी कर स्वागत किया ।यात्रा के साथ चल रहे संत श्री हरिमुकुद महाराज जी एवं शारदा आत्मानंद जी ने बताया कि, संत रविदास जी एक समाज, एक प्रदेश और एक देश के ही नेतानहीं बल्कि वैश्विक नेता है। वैश्विक संत हैं। जिनके विचार कृतित्व एवं व्यक्तित्व आज भी समाज को अपने प्रकाश पुंज से प्रकाशमान कर रहा है। उनकेविचारों से आज भारत विश्व गुरु बनने की ओर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान संत रविदास के विचारों को जन जन तकपहुंचाने के लिए और उनके कृतित्व और व्यक्तित्व को साकार करने में जुटे हुए हैं।इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री आलोक दुबे ने कहा कि, संत रविदास के उपदेश विचार आज भी समाज के लिए प्रासंगिक है। उनके उपदेश आज भी भारत के कोने कोने में विराजमान हैं। लोगों के हृदय की धड़कन में वास करते हैं।मन चंगा तो कठौती में गंगा, उनका यह विचार आज मुहावरे के रूप में जगजाहिर है।इस दौरान यात्रा के जिला संयोजक श्री अशोक टेकाम ने कहा कि, यह हम सभी केलिए अत्यंत गौरव का फल होगा, जिस दिन संत शिरोमणि रविदास जी का विश्व का एकमात्र मंदिर, ऐतिहासिक और भव्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के नेतृत्व में मध्य प्रदेश की धारा सागर में बनने जा रहा है ।इस अवसर पर सामाजिक समरसता यात्रा के जिला संयोजक श्री अजय डागोरिया ने कहा कि 100 करोड़ की लागत से बनने वाला मंदिर केवल मंदिर ही नहीं वल्कि तीर्थ क्षेत्र, आध्यात्मिक क्षेत्र और अध्ययन अध्यापन का एक विशिष्ट केंद्र के रूप में जाना जाएगा और हम सभी बहुत ही कम समय में इसके दर्शन के साक्षी बनेंगे ।बरघाट विधानसभा में यात्रा का स्वागत करते हुये भारतीय जनता पार्टी अन्य नेताओं ने भी अपने विचार रखे और कहा कि संत शिरोमणी के विचारों के अनुरूप भाजपा देश और प्रदेश में समरस समाज और समृद्धशाली समाज का निर्माण करने की दिशा में अग्रसर है । इस अवसर पर भाजपा नेत्री श्रीमती मीना बिसेन, पूर्व विधायक कमल मर्सकोले, यात्रा संभाग संयोजक प्रवीण मेश्राम , श्रीमती गोमती ठाकुर,विधानसभा संयोजक नरेश वरकड़े, डाँ. श्याम सिंह कुमरे, नरेंद्र भैरव मंडल अध्यक्ष गौरव बिसेन मंडल अध्यक्ष विजय राहंगडाले, राकेश तेकाम , जनपद सदस्य धर्मेंद्र रंग डाले प्रभु दयाल गोनेकर हरेंद्र पटले जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि रिंकू रंग डाले हिरण खेड़े जी परमार जी सुनीता उईके श्रीमती भालेराव सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने यात्रा का गर्मजोशी से स्वागत किया

इंडक्शन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

विदिशा, एजेंसी। संस्था संचालक फादर सेल्विन जॉन के निर्देशानुसार 27 जुलाई को सेंटमेरी महाविद्यालय में विगत दिनों से चल रहे इन्डक्शन कार्यक्रम के तहत नवीन सत्र 2023-24 में नव प्रवेशित छात्रों को प्रो. सौरभ दुबे के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्य विषय चयन और क्रेडिट अंक आदि की विस्तृत जानकारी प्रदान की तथा छात्रों के जिज्ञासाओं का समाधान किया।इसके पश्चात दूसरे सत्र बाल संरक्षण के अंतर्गत चाइल्ड हेल्प लाइन एवं कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउण्डेशन एवं एनएसएस के संयुक्त तत्वाधान में एक जन जागरुकता कार्यक्रम रखा गया। जिसमें सतीश उपाध्याय, दीपा शर्मा, त्रिरुपति चौबे ने बाल संरक्षण, बाल विवाह, बाल श्रम, यौनशोषण और बाल अधिकार संरक्षण के लिए उपस्थित छात्रों एवं प्राध्यापकों को शपथ भी दिलाई गई।प्रो. अरविन्द द्विवेदी ने छात्रों को मानवीय नैतिक मूल्यों के प्रति सम्बोधित किया। व्यक्ति मूल्यों के साथ-साथ समाजिक और राष्ट्रीय नैतिक मूल्यों को समझाया । कार्यशाला का संचालन प्रो. दीपा राठौर एवं आभार स्टाफ सेकेट्री प्रो. ब्रजमोहन बघेल, प्रो. गिरीश सुर्जन ने ज्ञापित किया।इसी श्रृंखला में 26 तारीख को मतदाता जगरुकता के अन्तर्गत राजेन्द्र निगम (जिला मतदान प्रकोष्ठ अधिकारी विदिशा), अजय एवं दिलीप तिवारी की उपस्थिति में छात्रों को मतदान जागरुकता कार्यक्रम के अन्तर्गत छात्रों का वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाना, दूसरों को नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित करना तथा जिले में अधिक से अधिक मतदान करने के लिए दूसरों को रैली, नुक्कड़ नाटक, पोस्टर आदि के द्वारा जागरुक करने के लिए निर्देशित किया तथा इस हेतु छात्रों को निष्पक्ष मतदान करने के लिए शपथ दिलाई गई। साथ ही संस्था प्राचार्य डॉ. नलिन थपलियाल द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना की पंच प्रण शपथ भी दिलाई गई।

नपा में लोग हो रहे परेशान

विदिशा, एजेंसी। नगर पालिका में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोग राजस्व शाखा से जुड़े कार्य को करवाने के चलते परेशान हो रहे हैं। राजस्व शाखा में अधिकारी-कर्मचारी नदारद हैं, जिसकी वजह से कई लोगों को बिना काम करवाकर ही बैरंग लौटना पड़ रहा है। भूमि डायवर्सन, नामांतरण, समग्र आईडी सहित कई अन्य कार्य अधिकारी कर्मचारियों की गैर मौजूदगी के चलते नहीं हो पा रहे हैं। वहीं नगर पालिका के कुछ कर्मचारियों ने बताया कि जिला स्तर पर चलाए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी कर्मचारी उसमें शामिल हुए हैं। जिसकी वजह से नपा कार्यालय में कर्मचारी गैर मौजूद रहे। वहीं अपना काम करवाने आ रहे नागरिकों का कहना है कि यदि किसी स्थान पर प्रशिक्षण चल रहा है तब यहां की भी वैकल्पिक व्यवस्था करने के साथ ही अन्य कार्यक्रम में जाना चाहिए।

सीसी रोड निर्माण पर कुछ लोगों ने जताई आपत्ति, नपा में रहवासियों ने की शिकायत

विदिशा, एजेंसी। पूरनपुरा गली नंबर 4 के रहवासियों ने गुरूवार को नगर पालिका पहुंचकर सीएमओ के नाम लिखित ज्ञापन दिया। जिसमें उन्होंने नगरपालिका द्वारा लंबे अरसे बाद यहां रोड बनाए जाने को लेकर पहले तो धन्यवाद दिया। साथ ही रोड निर्माण कार्य को रोकने वाले स्थानीय निवासी संदीप चावला और लाखन सिंह द्वारा निर्माण कार्य न करने देने की शिकायत की। नगरपालिका कर्मचारियों को कार्य करने से भी रोका गया है। रहवासियों ने बताया कि संदीप चावला का दावा है कि यह उनका प्लॉट है, जबकि नक्शे में ऐसा कुछ भी नहीं है और बीच रास्ते पर किसी का प्लाट होना संभव नहीं है। इस दौरान कमलेश शर्मा, संतोष शास्त्री आदि मौजूद थे। रहवासियों ने बताया कि गली नंबर 4 शनि मंदिर के नजदीक से रोड निर्माण का काम चल रहा है, लेकिन संदीप चावला जो यहां निवास नहीं करते, यहां अपनी जमीन होने का दावा करते हुए इस निर्माण को रोक रहे हैं। रहवासियों ने बताया कि वह अपनी शिकायती पत्र के साथ नक्शा भी लेकर आए हैं। जिसमें ऐसे किसी व्यक्ति का निवास होना उसमें दर्शाया नहीं जा रहा। इस रोड के निर्माण से शनि मंदिर के आसपास रहने वालों के अलावा पीछे की ओर रहने वाले करीब 40 परिवारों को भी फायदा होगा।

शहीदों को दी श्रद्धांजली एवं सैनिको का किया सम्मान

सीहोर, एजेंसी। कारगिल विजय दिवस पर राजपूत समाज द्वारा शहीदों को श्रृद्धांजली अर्पित की गई। साथ ही सीहोर के माननीय विधायक श्री सुदेश राय द्वारा राजपूत समाज धर्मशाला श्रीराम मंदिर में सैनिको व सैन्य अधिकारियों का माला एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर जवानों ने कारगिल युद्ध पर अपने विचारों को सांझा किया। राजपूत समाज की तरफ से समाज के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र सिंह सिसोदिया, ओमदीप जी राठौर एवं रामसिंह चौहान ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर कार्यक्रम में विक्रम सिंह सिसोदिया, डॉ. सुभाष सिंह तोमर, प्रेमनारायण सिंह परमार, भूपेन्द्र सिंह बैस, सुरेन्द्र सिंह सोलंकी आदि ने भी सैनिकों व सैन्य अधिकारियों का फूल मालाओं से स्वागत किया। अंत में किशोर सिंह सिसोदिया ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

गौरव सन्नी महाजन कार्यकर्ताओं के साथ विधानसभा के हरघर दे रहे है दस्तक

सीहोर, एजेंसी। विधानसभा क्षेत्र सीहोर के ग्रामीण अंचलों में हरघर हरद्वार अभियान के तहत गौरव सन्नी महाजन के नेतृत्व में कार्यकर्ता हर घर पहुंच रहे है। ग्रामीण अंचलों में गौरव सन्नी महाजन की जनहितैशी कार्यशैली को जनसमर्थन मिल रहा है। ग्राम वासियों के द्वारा गांवों में पहुंचने पर महाजन का साफा बांधकर ढोल धमाकों के साथ पुष्प वर्षा कर जोरदार स्वागत भी किया जा रहा है।बीते साल अक्टुबर माह में जमुनिया स्थित कंकाली माता मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना कर गौरव सन्नी महाजन ने बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में शुभारंभ किया था। जिस के उपरांत यह हरघर हरद्वार यात्रा विधानसभा क्षेत्र सीहोर के सेमरादांगी, बमुलिया, वनखेड़ा बरखेड़ा, खजुरिया कला, खडवा, मूंझखेड़ा, बांसिया पीली कराड़, खजुरिया खुर्द,निपानिया कला, खाईखेड़ा बाजार शाजापुर, सतपोन, बाजार बरखेड़ा, तिनोनिया, मुस्कुरा, डोवरा, दुर्ग नाईहेड़ी आदि गावों में पहुंच चुकी है। कार्यकर्ताओं के द्वारा गौरव सन्नी महाजन के नेतृत्व में घर घर पहुंचकर जन जागरूकता के लिए पंपलेट वितरण किए जा रहे है इस दौरान महाजन नुक्कड़ सभाएं लेकर ग्रामीणों से विभिन्न क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर चर्चा कर रहे है। महाजन ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा की ग्रामीणों की समस्या स्वयं मेरी समस्या है हर समस्या के समाधान के लिए में हमेशा तत्पर रहुंगा। उन्होने कहा की मेरा विधानसभा क्षेत्र मेरा परिवार है। दस्तक अभियान के दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ता सम्मिलित रहे।

आदिवासी स्वाभिमान यात्रा आदिवासियों के स्वाभिमान और पहचान : कांग्रेस

सिवनी, एजेंसी। आदिवासी स्वाभिमान यात्रा आदिवासियों के स्वाभिमान और पहचान की लड़ाई को लेकर मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ जी के निर्देश पर म.प्र.आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष श्री रामू तेकाम, मध्यप्रदेश युवक कांग्रेस के अध्यक्ष श्री डॉ. विक्रांत भूरिया, म.प्र.आदिवासी महिला कांग्रेस की अध्यक्ष श्रीमति चंद्रावती सरवटे के नेतृत्व में दिनांक 19 जुलाई 2023 को सीधी जिले से प्रारंभ हुई इस यात्रा का आदिवासी स्वाभिमान यात्रा दिनांक 26 जुलाई 2023 को जिले की बरघाट विधानसभा पंहुची जहॉ यात्रा का स्वागत बरघाट विधायक श्री अर्जुनसिंह काकोडिया के नेतृत्व में कांग्रेस जनों ने किया एवं अतिथियों तथा कांग्रेस जनों ने शहीद बिन्दु कुमरे जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी, तत्पश्चात यात्रा कुरई ब्लाक स्थित सिमरिया गांव पंहुचकर समाजिक बन्धुओं एवं पीड़ित परिवार से मुलाकात की एवं रात्रि विश्राम रात्रि विश्राम रिड्डी में किया, आज दिनांक 27 जुलाई 2023 को ग्राम रिड्डी में बडे देव स्थल एवं बिरसा मुंडा जी का पूजा अर्चन कर यात्रा टुरिया ग्राम में स्थित शहीद स्मारक पंहुचकर शहीदो को नमन किया साथ ही कुरई में रानीदुर्गावती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर यात्रा लखनादौन की ओर रवाना हुई, जहॉ लखनादौन नगर में पंहुचने पर विधायक श्री योगेन्द्र सिंह बाबा द्वारा उनका स्वागत किया गया एवं युवा कांग्रेस के तत्वाधान में रैली निकाली गई एवं स्वाभिमान यात्रियों का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में विधायक द्वय अर्जुनसिंह काकोडिया, योगेन्द्रसिंहबाबा सहित जिला कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष सेवकराम चन्द्रवंशी, संभागीय प्रवक्ता गुंजन शुक्ला, महामंत्री अतुलचंद मालू, आईटी सेल के अध्यक्ष सुमित मिश्रा, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष गण श्री मनोज राहंगडाले, तेजसिंह रघुवंशी, शिवनारायण सिंह उइके, प्रशांत यादव, युवा एवं एनएसयुआई कांग्रेस प्रभारी विपिन यादव, युवा कांग्रेस अध्यक्ष आनंद पंजवानी सहित सेवादल, महिला कांग्रेस के कार्यकर्ता शामिल रहें।

संत शिरोमणी श्री रविदासजी महाराज के जयकारे के साथ चल रही है मंदिर निर्माण समरसता यात्रा

विदिशा, एजेंसी। सागर में सरकार द्वारा 100 करोड़ की लागत से बनने जा रहे संत शिरोमणी श्री रविदासजी महाराज के भव्य मंदिर निर्माण हेतु समरसता यात्रा निकली जा रही है जो कि ग्रामीण अंचलों से मिट्टी एवं जल संग्रह कर उक्त स्थान पर पहुंचेंगी। विदिशा विधानसभा के गुलाबगंज क्षेत्र में तीसरे दिन की यात्रा ग्राम वन, सोजना, धनियाखेड़ी, धनोरा, हथियाखेडा, चक्क खेजड़ा के बाद चक्क मेहरूखेड़ी पहुंचकर विश्राम हुई। यात्रा के संयोजक भाजपा के वरिष्ठ नेता मुकेश टंडन ने आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व के सबसे ताकतवर नेता भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सागर में भव्य मंदिर के भूमि पूजन करने आ रहे हैं। इस पावन अवसर के गवाह बनने आप सभी सादर आमंत्रित है। यात्रा मन चंगा तो कठौती में गंगा के मूल मंत्र के साथ चल रही है। ग्रामीणों द्वारा पूजा अर्चना के साथ जमकर स्वागत सत्कार किया जा रहा है। बढ़-चढ़कर लोग हिस्सा ले रहे है। यात्रा में भाजपा जिला उपाध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव, जिला मंत्री संतोष शर्मा, जिला मीडिया प्रभारी सचिन यादव, अभा पुजारी महासभा प्रदेश उपाध्यक्ष पं. कैलाश नारायण शर्मा, मंडल अध्यक्ष प्रतीक कंग, जगदीश दांगी, छत्रपाल शर्मा, मुकेश चौकसे, राघवेंद्र दांगी, लाखनसिंह दांगी, राहुल दांगी, दशरथसिंह दांगी, नेतराम दांगी, कल्याण दांगी, रामराज दांगी, कमल चिडार, गोलू दांगी, नीरज दांगी, मनोज रघुवंशी आदि लोग शामिल हुए।

आजीविका मिशन की एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

सोहागपुर, एजेंसी। स्थानीय मंगल भवन में गुरुवार को आजीविका मिशन की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।इस कार्यशाला के दौरान विधायक विजयपाल सिंह ने संगठन सदस्यों को 60 लाख राशि के सीसीएल ऋृण स्वीकृति पत्र वितरित किए गए।जानकारी अनुसार कार्यशाला में 119 संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला के दौरान बताया गया कि सोहागपुर विकासखंड में आजीविका मिशन में कार्यरत विख प्रबंधक दुर्गेश अहिरवार सहायक प्रबंधक अरविंद मेहरा, फूल बाई , ललित रघुवंशी, महेश अखेपुरिया, घनश्याम ठाकुर के द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है।कार्यक्रम में ग्राम संगठन की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता मेहरा ग्राम संगठन ग्राम सैनी एवम् अन्य पधाधिकारी द्वारा प्रस्तुति करण किया गया। इस कार्यशाला में जप अध्यक्ष जालम सिंह पटेल, नप अध्यक्ष लता यशवंत पटेल, एस डीएम अखिल राठौर,उपाध्यक्ष आकाश रघुवंशी, मंडल अध्यक्ष राघवेंद्र रघुवंशी , यशवंत पटेल, पार्षद अमृता चौरसिया, कविता साहू , धर्मेंद्र सराठे, मिथिलेश ठाकुर आदि मौजूद रहे।

इछावर क्षेत्र अनुसूचित जनजाति बाहुल्य होने के बाद भी प्राइमरी बच्चों के लिए नहीं है प्राइमरी छात्रावास- मेघा परमार

सीहोर, एजेंसी। पर्वतारोही मेघा परमार के नेतृत्व में गुरुवार को अनुसूचित जनजाति मोर्चा कांग्रेस द्वारा इछावर एसडीएम को ज्ञापन दिया गया। जिसमें अनुसूचित जनजाति के बच्चों हेतु छात्रावास की मांग की गई। बता दे इछावर में आज भी प्राइमरी बच्चों का छात्रावास नहीं है जिससे क्षेत्र के कई बच्चों की पढ़ाई नहीं हो पाती है। क्योंकि इछावर क्षेत्र बहुत ही पिछड़ा हुआ और आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र हैं। जहां पर गांव से इछावर आने के लिए छात्र-छात्राऐं परेशान रहते हैं। परन्तु इस समस्या की सुद आज तक नही ली गई। बच्चों की पढ़ाई कैसे संभव हो पाए इसी को ध्यान में रखते हुए पर्वतारोही मेघा परमार ने जब आदिवासी बच्चों का प्रवेश इछावर के विद्यालय में करवाया तब बच्चों को ठहरने की समस्याएं उत्पन्न हुई। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए मेघा परमार ने गुरुवार को कांग्रेस प्रतिनिधि मण्डल एवं आदिवासी कांग्रेस कमेटी ब्लॉक अध्यक्ष के साथ इछावर एसडीएम को एक ज्ञापन दिया। जिसमें इछावर के लिए प्राइमरी छात्रावास की मांग की गई। मेघा परमार के साथ आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष सुमित नर्रे, कांग्रेस कमेटी इछावर ब्लाक अध्यक्ष बलवान पटेल, प्रवीण परमार, सलमान सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आई फ्लू से बचाव हेतु सीएमएचओ ने की एडवाइजरी जारी

सीहोर । इन दिनों देखने में आ रहा है कि आई फल, आंख आना अथवा कंजक्टिवाइटिस के मरीज निरंतर बढ़ रहे हैं। विगत 5 दिनों के दौरान जिला चिकित्सालय स्थित नेत्र रोग विभाग में 500 से अधिक मरीजों ने आईफ्लू की जांच कराई। जांच के उपरात दवा दी एवं बचाव की सलाह दी गई। नेत्र रोग विशेषज्ञ तथा जिला अंधत्व निवारण अधिकारी डॉ. यूके श्रीवास्तव ने इस संबंध में बताया कि आंख में जलन या खुजली हो तो तुरंत आंखों के डाक्टर को दिखाएं। आंख को ना रगड़े आंखों में कोई आई ड्रॉप डालने से पूर्व हाथों को धोले ।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया ने जारी एडवायजरी में कहा है कि डाक्टर की सलाह के बगैर कोई दवा आंख में ना डाले आंखों में इन्फेक्शन होने पर घर पर ही रहे बच्चों को स्कूल ना भेजे। डॉ. डेहरिया ने बताया कि मानसून सीजन में आंखों में संक्रमण का खतरा लगातार बना रहता है। इसकी वजह हवा में नमी इसमें बैक्टीरिया, वायरस आसानी से रिप्लीकेट होते है। इससे बचाव के लिए जब भी बाहर जाए चश्मा लगाए रखें अपनी तौलिया और कपड़े किसी से शेयर न करें। ठंडे पानी से आंखों को दिन में दो बार धोएं। उन्होंने बताया कि यह एक वाईरल कंजक्टिवाइटिस है। आंखों के चिकित्सक को दिखाकर उनके द्वारा बताया गया उपचार लें।

भारत स्काउट गाइड सीहोर द्वारा किया गया बिगिनर्स कोर्स का आयोजन

सीहोर, एजेंसी। भारत स्काउट गाइड मध्य प्रदेश राज्य मुख्यालय के निर्देशन में जिला कमिश्नर स्काउट श्री संजय सिंह तोमर के निर्देशानुसार गुरुवार विकासखंड सीहोर में बिगिनर्स कोर्स का आयोजन सुधीर विश्वकर्मा के द्वारा प्रार्थना,नियम,प्रतिज्ञा के साथ किया गया। आयोजन में विकासखंड सीहोर के 22 विद्यालयों के शिक्षकों ने प्रतिभा गीता की आयोजन में मुख्य अतिथि एच.एस.निमजे सहायक संचालक सहायक जिला कमिश्नर स्काउट रोवर विभाग थे।

अमर बेल की तरह फैल रहा है अवैध उत्खन्न का कारोबार

सिरोंज, एजेंसी। आसपास के क्षेत्र में इन दिनों अवैध कोपरा व मुरम की भरी टेक्टर ट्राली दिन दहाडे दौड रही है इन अवैध उत्खन्नकर्ताओं कों किसी का खौफनही है । अवैध उत्खन्न होने की वजह से प्रषासन को लाखो रूपये का नुकसान हो रहा है । बावजूद इसके जिम्मेदार अधिकारियों द्धारा इन खनन माफ्यिों के खिलाफकोई कार्यावाही नही की जा रही है । वही देखा जाए कि गुना आरोन रोड कुरवाई रोड पर जमकर अवैध उत्खन्न किया जा रहा है । मगर प्रषासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्धारा इस और ध्यान नही दिया जा रहा है । अवैध कोपरा से भरी टेक्टर ट्राली मुरम की इन दिनों अवैध कालोनियों में ज्यादा जाती हुई दिखाई दे रही है जिससे कोपरे व मुरम की डिमांड ज्यादा बड रही है मगर प्रषासन के जिम्मेदार अधिकारी कोई कार्यावाही करते हुए दिखाई नही दे रहे है । जहां देखा जाए कि नगर में अवैध कालोनियों का सिलसिला जारी है कालोनियों मे इन दिनों अवैध कोपरा व मूरम रोड के कार्य करने में काम आता है। यह कोपरा व मूरम दिनदाहाडे अवैध कालोनियों मे जा रहा है मगर प्रषासन के जिम्मेदार अधिकारी इस और बिल्कुल भी ध्यान नही दे रहे है जिससे अवैध उत्खन्न दिन प्रति दिन बडता ही जा रहा है । प्रषासन भी दिखावे के लिए एक आद डंपर या टेक्टर पकड कर रस्म अदायगी कर लेते है जिससे कि कहां जाए कि अभी तों कार्यावाही की थी । वही देखा जाए कि इन दिनों डंपर को छोडकर टेक्टर ट्राली से कोपरे का कारोबार किया जा रहा है जों कि प्रषासन की आंख में धूल झोकने का काम है क्यो कि टेक्टर ट्राली में समझ नही आता कि कोपरा है या मिट्टी और बेधक रोडो पर दिन दहाडे टेक्टर ट्राली कोपरे से भरे दौड रहे है ।

भोपाल रोड पर पनप रहा है अतिक्रमण जिम्मेदार नही दे रहे ध्यान

सिरोंज, एजेंसी । स्थानीय राजस्व व नपा प्रषासन द्धारा ध्यान न देने के कारण भोपाल रोड पर षासकीय अस्पाताल से लेकर नपा के वाटर फिल्टर प्लांट के सामनें कुछ दुकानदारों द्धारा सडक पर अतिक्रमण कर अपनी दुकानों सें सडक पर ही व्यवसाय कर रहे है जिसमें चाय एंव नाषतें की दुकानें का संचालन अतिक्रमण करके सडक पर किया जा रहा है । लेकिन जिम्मेदारों द्धारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है । मालूम हो कि काफी दिनों सें रसूखदार दुकानदारों द्धारा अवैध कब्जा कर अतिक्रमण कर लिया है धीरे धीरे अतिक्रमण करके बडी बडी जगह में अतिक्रमण कर लिया है । लेकिन समज सें परे है कि आयें दिन जिम्मेदारों के वाहनों का भोपाल रोड सें निकलना लगा रहता है मगर उसके बाद भी उनकी नजर इस तरह सें हो रहे अतिक्रमण पर क्यों नही पडती ।

राजनैतिक द्वेषता से हो रही कार्यवाई : सक्सेना

सीहोर, एजेंसी। पूर्व विधायक और कांग्रेस नेता रमेश सक्सेना ने कहा है कि राजनीति में आलोचना का अपना एक स्थान होता है आलोचक सत्ता को आईना दिखाने वाले होते हैं आलोचना करने वालों से द्वेषता नहीं पालना चाहिए अपनी कमियों को सुधारना चाहिए। आजकल क्षेत्र में द्वेषता पूर्ण राजनीति का दौर चल रहा है। क्योंकि राजनीति पर अब पूंजीवादी हावी है। कुछ नेता सत्ता और पूंजी के अहंकार में ऐसे डूब गए हैं कि वह तनिक भी अपनी आलोचना बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं।यह बात सच है कि सीहोर विधान सभा क्षेत्र विकास की बात करें तो पिछड़ता ही जा रहा है। बेहतर शिक्षण संस्थान, रोजगार के साधन क्षेत्र वासियों को नहीं मिल सकें है, कमीशन खोरी हावी है, घटिया निर्माण के चलते रोडें उखड़ रही हैं। जब क्षेत्रवासी आवाज उठाते हैं, सच को उजागर करते हैं तो उन पर झूठे मुकदमे दर्ज कर जेल भेजा जाता है। आजकल कुछ ऐसी ही राजनीति हावी हो गई है। राजनैतिक द्वेषता के कारण यह सब हो रहा है। श्री सक्सेना ने कहा कि वह लंबे समय तक क्षेत्र के विधायक रहे, लेकिन ऐसी ओछी मानसिकता के साथ कभी राजनीति नहीं की। क्षेत्र के लोगों को वह अपने परिवार की तरह से ही मानते हैं। चाहे वे किसी भी दल से ताल्लुक रखते हों। हमेशा लोगों के भले के लिए काम किया है। ये जो द्वेषता पूर्ण कार्यवाहीया हो रही इन्हें जनता भी देख रही है और समझ रही है ये सत्ता की बौखलाहट है 7

विदेशी भाषाएं सीख कर पायें अच्छी नौकरी

अगर आप तेजी से आगे बढ़ना चाहते हैं तो हिंदी और अंग्रेजी के साथ ही अलग-अलग विदेशी भाषाएं सीखना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। अलग-अलग और नई तरह की भाषा आपको एक अच्छी नौकरी भी दिला सकती है। अगर इन भाषाओं का ज्ञान हिंदी के साथ हो तो आपको नौकरी मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

स्पेनिश- अगर किसी भाषा को वाकई वैश्विक भाषा का दर्जा मिल सकता है तो वो स्पेनिश है। दुनिया भर में इस भाषा से जुड़े रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। अमेरिका में बड़ी संख्या में ऐसे लोग रहते हैं, जो स्पेनिश बोलते हैं। इसके अलावा मुसाफिरों की तादाद भी काफी है। इसे सीखना तुलनात्मक रूप से आसान है। स्पेन के अलावा ये भाषा दक्षिण अमेरिका के कई देशों और मेक्सिकों में भी बोली जाती है।

जर्मन- जर्मनी के अलावा स्विटजरलैंड में भी ये भाषा

काफी प्रचलित है और ये दोनों देश यूरोप में कारोबार का केंद्र माने जाते हैं। ऐसे में ये भाषा कारोबार के लिहाज से अहम है।

फ्रेंच- दुनिया भर में 20 करोड़ से ज्यादा लोग यह भाषा बोलते हैं। दुनिया के 40 से ज्यादा देशों में आप फ्रेंच बोल-सुन सकते हैं। ये 8 देशों की भाषा है और संयुक्त राष्ट्र में इसे आधिकारिक दर्जा हासिल है।

अंग्रेजी- अंगेजी का महत?व आपको पता ही है। लंदन, अमेरिका समेत यूरोप में प्रमुख तौर पर बोली जाने वाली भाषा है। इससे करियर की असीम संभावनाएं आपके लिए खुलती हैं।

जापानी- अंग्रेजी में कई ऐसे शब्द हैं, जो इसी भाषा में पहुंचे हैं। अगर एशिया के

फ्रीलांस के जरिये कमाई करें

अगर आप नौकरी करने के बाद कुछ काम करके और पैसा कमाना चाहते हैं तो आप फ्रीलांस के क्षेत्र में आ सकते हैं। आप यह काम अपने समय के अनुसार कर सकते हैं और इसके लिए आपको ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी होगी। अपने फील्ड से जुड़े फ्रीलांस काम करें- हर फील्ड से जुड़े फ्रीलांस काम होते हैं, जो कि आपके लिए अच्छी कमाई का जरिया बन सकते हैं। इसलिए आप भी अपने फील्ड के अनुसार दूसरा काम कर सकते हैं और दिन में दो-तीन घंटे काम करके आप अच्छा पैसा कमा सकते हैं।

लोकल प्रोडक्ट बेचें- अगर आप अपने होम टाउन से अलग कहीं रहते हैं तो आप उस शहर में अपने होम टाऊन से जुड़े कुछ फेमस प्रोडक्ट लाकर बेच सकते है। आप छोटे स्तर पर उसका कारोबार भी कर सकते हैं। इन प्रोडक्ट में खाने के सामान से लेकर कपड़े आदि भी शामिल है।

सोशल मीडिया एक्सपर्ट बनें- आजकल हर कोई सोशल मीडिया पर काम कर लेता है। अगर आप नौकरी के बाद फ्री रहते हैं तो आप किसी कंपनी या व्यक्ति का सोशल मीडिया हैंडल कर सकते हैं। इसके लिए आपको कुछ खास करने की आवश्कता नहीं है। बस इसके लिए आपके कॉन्टेक्ट होने आवश्यक है।

पीजी का काम शुरू करें- अगर आप नौकरी से वक्त निकाल सकते हैं तो आप अपनी प्रोपर्टी पर या किराए की प्रोपर्टी पर पीजी बना सकते हैं। इसके लिए आपको पीजी में रहने वाले लोगों की व्यवस्था करनी होगी। यह बिजनेस किसी कॉलेज, ऑफिस के पास अच्छा चल सकता है।

मूर्तिकला क्षेत्र में भी हैं

देश में साल भर चलने वाले धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजनों को देखते हुए मूर्ति निर्माण उन युवाओं के लिए लाभदायक हो सकेगा जो इस क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं। मूर्तिकला त्रिआयामी, ठोस और मूर्त (साकार) रूप में अभिव्यक्ति का एक माध्यम है। यह राउण्ड व रीलिफ आकार में हो सकता है, जिसका प्रयोग अनादिकाल से भारतीय सभ्यता में प्रचलित है। मूर्तियों का प्रयोग अभिव्यक्ति, पूजन-उपासना, सजावट, भय,स्मृति और पहचान आदि हेतु सहस्त्राब्दियों से होता रहा है। भारत के साथ विदेशों में भी अनेकानेक मन्दिर और कला मण्डप उपलब्ध हैं, जो मूर्तिकला के शाशवत अवदान का वर्णन प्रस्तुत करते हैं। भारतीय इतिहास का मध्यकाल इस प्रकार के अनेकों उदाहरण को समेटे हुए है। हमारे देश में वर्ष भर सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन होता रहता है, जिनमें अवसर अनुरूप मूर्तियों के प्रयोग का प्रचलन है। मन्दिर और पूजागृह की मूर्तियां स्थायी होती हैं, जबकि सामयिक और अवसर विशेष - उत्सव आदि के लिए प्रयुक्त मूर्तियां अस्थायी होती हैं। भारतीय धर्म में क्षेत्रानुसार हजारों व्रत व पूजा का उल्लेख मिलता है जिनमें भिन्न प्रकार के मूर्ति निर्माण की व्यवस्था दी गई है। ऐसे लाखों देवी-देवताओं का उल्लेख भारतीय शास्त्रों में मिलता है जिनकी पूजा-अर्चना व्रत और अनुष्ठान के अनुरूप की जाती है।

मूर्ति निर्माण व सृजन हेतु कई माध्यम व प्रक्रिया का प्रचलन है जिसमें विभिन्न प्रकार की सामग्रियों का प्रयोग किया जाता है। मूर्ति निर्माण के लिए जिन माध्यमों का सहारा लिया जाता है उनमें पाषाण, काष्ठ, धातु, मृण्मूर्ति महत्वपूर्ण हैं. इन माध्यमों से निर्मित आकृतियों में जन-सामान्य विशेष की संस्कृति का आभास होता है। आज यह कला मृण्मूर्ति, पाषाण, काष्ठ, धातु की यात्रा से गुजरते हुए कांच, फाइबर ग्लास, प्लास्टिक एवं अन्य सृजनात्मक माध्यम तक पहुंच चुकी है।

वर्गीकरण =

मूर्तिकला का वर्गीकरण कई मापदण्डों पर किया जा सकता है। यहां निम्न बिन्दुओं को आधार मान कर इसे वर्गीकृत करने का प्रयास किया जा रहा है।

क. स्थायित्व के आधार पर -

1 स्थायी 2 अस्थायी

ख आकार व स्वरूप के आधार पर-

1 राउण्ड 2 रीलिफ

ग साधन व सामग्री के आधार पर-

1 मिट्टी-मृण्मूर्ति 2. प्लास्टर ऑ? पेरिस

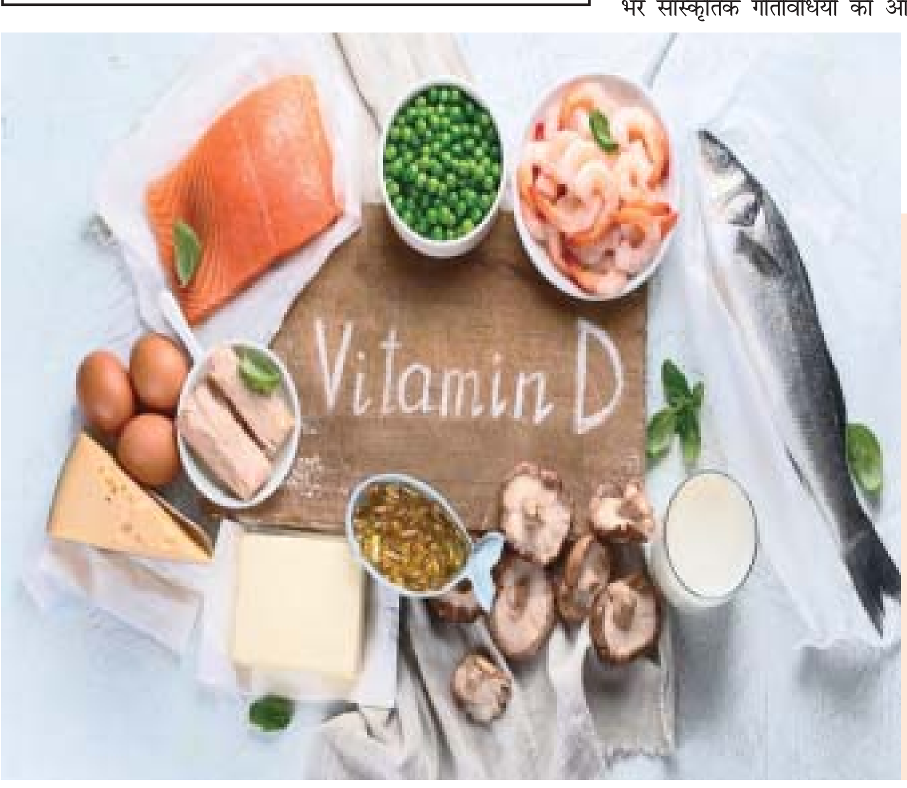

कैसे करें विटामिन डी की कमी को पूरा

हमारे शरीर के लिए धूप बेहद आवश्यक होती है, क्योंकि इस से विटामिन डी की आवश्यकता को पूरा किया जा सकता है. विटामिन डी हमारे शरीर के लिए आवश्यक तत्वों में से एक है. यह कैल्शियम को अवशोषित करने में मदद करता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाए रखता है. इस के अलावा मांसपेशियों के लिए भी विटामिन डी की आवश्यकता होती है और यह आप के शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाती है. विटामिन डी की पूर्ति सूर्य के संपर्क में आने से होती है. ज्यादातर लोगों को इस तरीके से कुछ विटामिन डी मिल जाती है, लेकिन बारिश होने के कारण हम सूर्य के संपर्क में नहीं आ पाते और विटामिन डी को प्राप्त करना हमारे लिए मुश्किल हो जाता है. हमारे शरीर को ठीक से काम करने के लिए नियमित रूप से पर्याप्त मात्रा में विटामिन डी की आवश्यकता है.

इसलिए अगर धूप ना हो, तो इस की आवश्यकता को पूरा करने के लिए यहां हम आप को कुछ तरीके बताएंगे. तो देरी किस बात की है, आइए जानते हैं इन तरीकों के बारे में-

डाइटः आप की डाइट से विटामिन डी प्राप्त करने में मदद मिल सकती है. आप अपने डाइट में कम मात्रा में विटामिन डी वाले कुछ अन्य खाद्य पदार्थ जैसे पनीर और मशरूम शामिल कर सकते हैं. कई खाद्य पदार्थ विटामिन डी से भरपूर होते हैं, जैसे गाय का दूध, पौधे आधारित दूध, संतरे का रस, दही आदि.

सप्लीमेंटः अगर आप की डाइट विटामिन डी की आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर पाती है, तो आप सप्लीमेंट ले सकती हैं. विटामिन डी वसा में घुलनशील होती है।

जीनत ने इंस्टाग्राम पर ऐड की एक क्लिप साझा की

अपने जमाने की मशहूर बॉलीवुड स्टार जीनत अमान ने कभी खुशी कभी गम के डायलॉग के साथ दम मारो दम की कुछ लाइन्स को स्पिन के साथ रैप करते हुए अपनी भावना को प्रकट किया है। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर ऐड की एक क्लिप साझा की। क्लिप में, एक्ट्रेस बेहद खूबसूरत दिखाई दे रही हैं। एक्ट्रेस ने शिमर जैकेट और डार्क सनग्लासेस के साथ ब्लैक पहना हुआ है। ऐड वीडियो में वह शीशे के सामने खड़ी हैं और कभी खुशी कभी गम का एक डायलॉग बोलते हुए कह रही हैं, तुम्हें कोई हक नहीं बनता कि तुम लगो इतनी बोल्ड, बेबो हमें जिस तरह दिखाती है, वह पसंद है। इसके बाद उन्होंने 1971 की फिल्म हरे रामा हरे कृष्णा के गाने दम मारो दम की कुछ लाइन्स बोलीं। कुछ स्पिन जोड़ते हुए एक्ट्रेस ने कहा, दुनिया ने हमको दिया ही क्या, यह आपकी जर्नी है, दुनिया से हमने लिया ही क्या, यह हमारी जर्नी है, हम सबकी परवाह करें ही क्यों? लेडीज, आप करते रहो। तुम्हें कोई हक नहीं बनता कि तुम इतनी खूबसूरत लगो ये लाइन फिल्म कभी खुशी कभी गम.. की है।

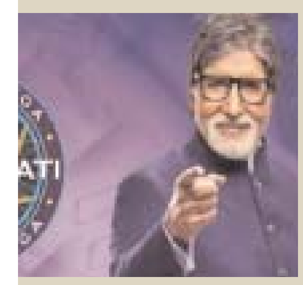

कौन बनेगा करोड़पति सीजन 15 की तैयारी शुरू

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने कहा कि मशहूर शो कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) के 15वें सीजन की तैयारी शुरू हो गई है। अमिताभ ने लिखा, केबीसी की तैयारी शुरू हो गई है। हम आखिरकार इंसान हैं और गलतियां होती हैं लेकिन उनसे बचने का प्रयास हमेशा किया जाता है। इसके बाद अमिताभ ने सोमवार को अपने फैंस के साथ अपनी रविवार की मुलाकात की एक झलक साझा की, जिन्हें वह प्यार से अपना विस्तारित परिवार कहते हैं। अभिनेता ने शो के लिए एक अपडेट भी साझा किया। अब विभिन्न प्लेटफार्मों पर प्रदर्शित प्रमोशनल डिक्री पर जो बदलाव सुनाई दे रहे हैं, वे गेम खेलने में स्पष्ट हैं और कल जो लोग केबीसी में जाएंगे, वे उनके बारे में जानने की स्थिति में होगा। कौन बनेगा करोड़पति हू वांट्स टू बी ए मिलियनेयर? का आधिकारिक हिंदी एडेप्टेशन (रूपांतरण) है। तीसरे सीजन को छोड़कर इस शुरुआत से ही बिग बी द्वारा होस्ट किया गया। तीसरे सीजन में इस अभिनेता शाहरुख खान ने प्रस्तुत किया था।

आदित्य संग विदेश यात्रा एंजॉय अनन्या पांडे

हाल ही में बालीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे एक्टर आदित्य रॉय कपूर संग विदेश यात्रा एंजॉय करती नजर आई थीं। अनन्या अपने वेकेशन की कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनका हॉट लुक देखने को मिल रहा है। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही छा गई हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि अनन्या पांडे स्काइब्लू कलर की बिकिनी में बेहद हॉट लग रही हैं। चेहरे पर काला चश्मा लगाए उनका अंदाज देखते ही बन रहा है। पूल साइड नारियल पानी एंजॉय करते हुए अनन्या जबरदस्त पोज दे रही हैं। कई तस्वीरों में वह रेत पर बैठ पोज देते हुए कातिलाना अंदाज दिखा रही हैं। फैंस एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं और कमेंट कर उनकी तारीफ भी कर रहे हैं। हालांकि, वह अब

लैंडस्केप आर्किटेक्चर, हॉर्टीकल्चर, गार्डनिंग में डिग्री है तो बन सकते हैं गार्डन

अगर आप प्रकृति के करीब हैं और आपकी रुचि पेड़ पौधों को लगाने और बगीचों को संवारने में है तो आप गार्डन डिजाइनिंग में भी अपना करियर बना सकते हैं। आज के दौर में युवाओं के सामने करियर बनाने के काफी विकल्प मौजूद हैं। अगर आपको प्रकृति से बेहद प्रेम हैं, तो यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें करियर बनाकर अच्छी खासी कमाई हो सकती हैं। गार्डन डिजाइनिंग की मांग लगातार बढ़ रही है। गार्डन डिजाइनिंग में करियर के लिए होनी चाहिये ये योग्यताएं।

क्रिएटिव होना जरुरी

गार्डन डिजाइनर बनने के लिए क्रिएटिव होना बेहद जरूरी है। इसके लिए आपको प्रकृति से प्रेम तथा लगाव होना आवश्यक है, क्योंकि इसमें ज्यादा समय प्रकृति के बीच ही बीतता है। साथ ही गार्डन डिजाइनिंग में धैर्य की बहुत जरूरत होती है।

अधिकांश वे लोग इस पेशे में आते हैं, जिनके पास जिनके पास लैंडस्केप आर्किटेक्चर, हॉर्टीकल्चर, गार्डनिंग आदि में डिग्री होती है। भारत में कुछ इंस्टीट्यूट्स गार्डनिंग और लैंडस्केपिंग में शॉर्ट ऑर लॉन्ग टर्म कोर्स करवाते हैं। वहीं अगर आप कुछ एडवांस करना चाहते हैं, तो फ्लोरीकल्चर और लैंडस्केप गार्डनिंग में सर्टिफिकेट कोर्स करने के अलावा लैंडस्केपिंग में मास्टर्स कर सकते हैं। सर्टिफिकेट कोर्स लिए स्टूडेंट्स का हायर सेकंडरी, जबकि मास्टर्स के लिए आर्किटेक्चर में ग्रेजुएट होना जरूरी है।

किसी भी गार्डन या लैंडस्केप की आर्ट डिजाइनिंग को गार्डन डिजाइनिंग कहते हैं। इस क्षेत्र में धैर्य की बहुत जरूरत होती है। इसमें आपको शारीरिक रूप से भी सक्षम होना होगा, क्योंकि आठ से दस घंटे मैदान में काम करना प? सकता है। इसके अलावा, अपने कस्टमर्स से अच्छे संबंध होने चाहिए, ताकि वे बार-बार आपकी सेवा लेने आएं।

विदेश में अच्छी संभावनाएं

भारत में एक गार्डन डिजाइनर 1.5 से 4 लाख रुपए के बीच आसानी से कमा सकता है। वहीं अनुभव होने पर तो और भी अधिक कमाई होती है। वैसे ऑस्ट्रेलिया या ब्रिटेन जैसे देशों में इससे ज्यादा पैकेज पर काम करने के विकल्प होते हैं। वहीं धीरे-

विपक्षी दलों के बारे में रिपोर्टिंग करने पर पत्रकार को सजा

तल्लिन (एजेंसी)। विपक्षी दलों के बारे में रिपोर्टिंग के आरोप में बेलारूस के मशहूर पत्रकार को छह साल की जेल की सजा सुनाई गई है।विपक्षी दलों से संबंधित व्यक्तियों, स्वतंत्र पत्रकारों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के खिलाफ एक साल से जारी मुहिम में यह हालिया घटना है। पश्चिम बेलारूस में ग्रोडनो शहर में सुनवाई के दौरान पैवेल माजिका (45) पर विपक्षी राजनीतिक दल की गतिविधियों की कवरेज के लिए 'चरमपंथी गतिविधि में संलिप्तता' का आरोप लगा है। माजिका पर 'बेलसैट टीवी' सहित समाचार आउटलेट के लिए काम करने का आरोप है।

'बेलसैट टीवी' के द्वारा बेलारूस में प्रसारण होता है,लेकिन उसका आधार पोलैंड में है। बेलारूस के अधिकारियों ने 'बेलसैट' को 'चरमपंथी' घोषित किया हुआ है। वकील यूलिया युरहिलविच (42) को भी बेलारूस के राजनीतिक कैदियों, विशेष रूप से असंतुष्ट कलाकार एलेस पुश्किन के बारे में माजिका को जानकारी देने का आरोप में छह साल की सजा हुई थी।पुश्किन की बेलारूसी जेल में इस माह की शुरुआत में मौत हो गई थी।युरहिलविच 18 साल से वकालत कर रही हैं, और वे मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के लिए लड़ती हैं। माजिका ने कहा, यह कोई मुकदमा नहीं है, बल्कि बेतुकेपन का रंगमंच है, सूचना प्रसारित करने के लिए एक पत्रकार और एक वकील पर मुकदमा चलाया जा रहा है।माजिका बेलारूस की एक जानी-मानी हस्ती हैं।2006 में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार एलेक्जेंडर मिलिनकेविच का प्रेस सचिव बनने से पहले 2002 में उन्हें 'राष्ट्रपति की निंदा करने' के आरोप में दो साल जेल की सजा सुनाई गई थी।माजिका ने बेलारूस और पोलैंड दोनों में प्रमुख स्वतंत्र समाचार आउटलेट के लिए काम किया है, कई कार्यक्रमों की मेजबानी की है और 'बेलसैट टीवी' के कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्य किया।

रूसी रक्षा मंत्री से किम जोंग उन ने की मुलाकात

सियोल (एजेंसी)। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने सैन्य मुद्दों और क्षेत्रीय सुरक्षा माहौल पर चर्चा के लिए रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु से मुलाकात की। सरकारी मीडिया ने बताया कि देश 1950-53 के युद्धविराम की 70वीं वर्षगांठ मना रहा है। सरकारी मीडिया ने बताया कि किम और शोइगु की मुलाकात बुधवार को राजधानी प्योंगयांग में हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने 'राष्ट्रीय रक्षा तथा क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के माहौल को लेकर आपसी चिंता के मामलों' पर सहमति व्यक्त की। हालांकि, रिपोर्ट में नहीं बताया गया कि दोनों ने क्या चर्चा की। बताया जा रहा हैं किम शोइगु को एक हथियार प्रदर्शनी में भी ले गए, जहां उत्तर कोरिया के कुछ नए हथियारों को रखा गया था।

प्योंगयोंग में एक कार्यक्रम में बच्चों से मिलते हुए उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन।

अल्पसंख्यक तमिलों के मामले में राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने बुलाई बैठक

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा कि द्वीपीय देश में अल्पसंख्यक तमिलों के जातीय मेल-मिलाप के जटिल मुद्दे पर आम सहमति बनाने के लिए सभी राजनीतिक दलों को चर्चा में भाग लेना चाहिए क्योंकि संविधान के 13वें संशोधन (13ए) का पूर्ण क्रियान्वयन पूरे देश के लिए अहम है। विक्रमसिंघे मुद्दे पर चर्चा करने के लिए आयोजित सर्वदलीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारत की यात्रा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ चर्चा करने के बाद यह बैठक बुलाई। राष्ट्रपति द्वारा बैठक सरकार के राष्ट्रीय सुलह कार्यक्रम और इसकी आगे की राह पर चर्चा के लिए बुलाई गई।

दिल्ली यात्रा से पहले, विक्रमसिंघे ने तमिल पार्टियों के साथ बैठक में सर्वदलीय सहमति के साथ श्रीलंकाई संविधान के 13वें संशोधन (13ए) को प्रांतों को पुलिस शक्ति दिए बिना पूर्ण रूप से लागू करने पर सहमति जाहिर की थी। मुख्य तमिल पार्टी 'टीएनए' और मुख्य विपक्षी दल समागी जन बलवेगया (एसजेबी) सहित ज्यादातर विपक्षी दलों ने बैठक में हिस्सा लिया। कुछ दलों ने बैठक को विक्रमसिंघे की राजनीतिक नौटंकी बताया था। राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने कहा कि 13(ए) का पूर्ण क्रियान्वयन पूरे देश के लिए अहम है इसलिए सभी राजनीतिक दलों को वार्ता में भाग लेना चाहिए।

सर्वदलीय बैठक में हिस्सा लेने के मामले में ऐसा प्रतीत होता है कि श्रीलंका का विपक्ष बंटा हुआ है। राष्ट्रीय सुलह पर सर्वदलीय बैठक में भाग लेने के लिए संसद में प्रतिनिधित्व करने वाले सभी राजनीतिक दलों और स्वतंत्र समूहों के नेताओं को निमंत्रण दिया गया, इनमें से कुछ विपक्षी नेताओं ने दावा किया है कि इस बैठक के एजेंडे के बारे में उन्हें जानकारी नहीं है।

मस्क की दादागिरी ट्विटर का नाम बदलकर एक्स किया

वाशिंगटन (एजेंसी)। ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने इस खरीदने के बाद से ही इसमें कई बदलाव किए हैं। इसी कड़ी में अब मस्क ने इसका नाम ही बदला दिया है। टिवटर का नाम बदलकर का एक्स कर दिया गया है, वहीं कंपनी ने ट्विटर हैंडल को बदल दिया गया है। मस्क ने ट्विटर का लोगो बदलने से पहले कहा था कि ट्विटर के ब्रांड को एक्स से बदलूंगा। नाम बदलने का आधिकारी ऐलान सोमवार को हुआ, जहां सबसे पहले ट्विटर अकाउंट का नाम बदलकर एक्स कर किया था। इसके बाद प्लेटफॉर्म के लोगो को भी एक्स से रिप्लेस कर दिया गया। अब ट्विटर के हैंडल को भी एक्स कर दिया गया है। उन्होंने ना केवल ट्विटर का लोगो बदला बल्कि सैन फ्रांसिस्को स्थित हेडक्वार्टर बिल्डिंग से नीली चिड़िया से जुड़े बैनर और साइनबोर्ड हटा दिए हैं। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, पता चला है कि मस्क ने ट्विटर पर किसी के @एक्स अकाउंट को उसके मालिक को मुआवजा दिए बिना हासिल कर लिया है।

अमेरिका की चेतावनी को घात बताकर रूस को हथियार दे रहा ड्रैगन

वाशिंगटन (एजेंसी)। चीन ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस को ड्रोन और अन्य हथियारों की आपूर्ति की है।चीनी निर्माता सुरक्षात्मक गियर के साथ-साथ यूएवी जैसे महत्वपूर्ण मात्रा में उपकरण वितरित कर रहे थे जो तोपखाने की आग को निर्देशित कर सकते हैं और यूक्रेनी बलों पर ग्रेनेड गिराने में सक्षम हैं।चीन एक ओर शांति के लिए आह्वान करता नजर आ रहा है। वहीं दूसरी ओर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के यूक्रेन पर 17 महीने पुराने छेड़े गए युद्ध पर भौतिक प्रभाव डालने के लिए रूस को पर्याप्त गैर-घातक, लेकिन सैन्य रूप से उपयोगी उपकरण दे रहा है।

वे ड्रोन हैं, जिनका उपयोग तोपखाने की आग को निर्देशित करने या हथगोले गिराने के लिए किया जा सकता है और रात में दुश्मन को निशाना बनाने के लिए थर्मल ऑप्टिकल जगहें भी इस्तेमाल की जा सकती हैं।ये शिपमेंट पुतिन की युद्ध मशीन को बाधित करने के पश्चिम के प्रयासों में चीन के आकार की खामियों की ओर इशारा करते हैं।

जून के महीने में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने दावा किया था कि चीन ने यूक्रेन में लड़ने के लिए रूस को हथियार नहीं भेजने का वादा फिर से किया है।ब्लिंकेन ने कहा कि हमें और अन्य देशों को चीन से आश्वासन मिला है कि वह यूक्रेन में इस्तेमाल के लिए रूस को घातक सहायता नहीं देगा।बता दें कि एंटनी ब्लिंकन ही थे जिन्होंने इससे पहले चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर ऐसा होता है, तब चीन को इसके गंभीर परिणाम भुगतना होगा।

ब्रिटेन के जिम स्की बने आईपीसीसी के नए अध्यक्ष

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के जिम स्की जलवायु परिवर्तन विज्ञान का आकलन करने वाली संयुक्त राष्ट्र संस्था इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) के नए अध्यक्ष बनाए गए हैं। आईपीसीसी ने एक बयान में कहा कि स्की को थेल्मा क्रुग के मुकाबले में 69 के मुकाबले 90 वोटों से चुना गया। स्की ने आईपीसीसी चुनावों में भाग लेने वाले प्रतिनिधियों को अपने संबोधन में कहा कि जलवायु परिवर्तन हमारे ग्रह के अस्तित्व के लिए खतरा है। मेरी आकांक्षा एक ऐसे आईपीसीसी का नेतृत्व करने की है, जो वास्तव में प्रतिनिधि और समावेशी हो, एक आईपीसीसी जो वर्तमान में हमारे पास मौजूद अवसरों का दोहन करते हुए भविष्य की ओर देख रहा हो। एक आईपीसीसी जहां हर कोई महसूस करता है कि उसे महत्व दिया जाता है और उसकी बात सुनी जाती है। इसमें मैं तीन प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाऊंगा- समावेशिता और विविधता में सुधार, आईपीसीसी मूल्यांकन रिपोर्ट की वैज्ञानिक अखंडता और नीति प्रासंगिकता की रक्षा करना, और जलवायु परिवर्तन पर सर्वोत्तम उपलब्ध विज्ञान का प्रभावी उपयोग करना। आईपीसीसी के अध्यक्ष के रूप में मेरे कार्य सुनिश्चित करेंगे कि ये आकांक्षाएं साकार हों। चुनाव केन्या के नैरोबी में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के मुख्यालय में हुआ, जहां आईपीसीसी अपना 59वां सत्र आयोजित कर रहा है।

ब्रिटेन में भारतीयों से प्रताड़ित होने का अभिनय करने की सलाह दे रहे वकील: रिपोर्ट

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन में आव्रजन वकील क्लाइंट्स को बता रहे हैं कि ब्रिटेन में रहने का अधिकार हासिल करने के लिए अधिकारियों से कैसे झूठ बोला जाए और इसके लिए 10 हजार पाउंड वसूल रहे हैं। 1983 में श्रीलंका से ब्रिटेन आए एक वकील वी.पी. लिंगजोथी ने एक अंडरकवर मेल रिपोर्टर से ब्रिटेन में शरण पाने के लिए यह दिखावा करने के लिए कहा कि वह एक खालिस्तानी समर्थक है उसके साथ भारत में दुर्व्यवहार किया गया और उसे प्रताड़ित किया गया।अंडरकवर रिपोर्टर ने खुद को पंजाब के एक किसान के रूप में पेश किया, जो हाल ही में ब्रिटेन पहुंचा है।एक खबर के मुताबिक आप कह सकते हैं कि भारत सरकार ने आप पर खालिस्तानी समर्थक होने का आरोप लगाया, आपको हिरासत में लिया गया, गिरफ्तार किया गया और आपके साथ दुर्व्यवहार किया गया, प्रताड़ित किया गया, यौन उत्पीड़न किया गया।इसीलिए आप शादी नहीं कर सके और आप निराश थे, आप आत्महत्या करना चाहते थे। इसलिए भाग कर ब्रिटेन पहुंचे।वकील ने इस कहानी के लिए उससे 10 हजार पाउंड की मांग की।एक रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने कहानी का समर्थन करने के लिए एक डॉक्टर की रिपोर्ट देने का भी वादा किया और मनोवैज्ञानिक आघात के सबूत के रूप में गृह मंत्रालय को दिखाने वाली अवसाद रोधी दवाएं भी पेश कीं।एक अन्य फर्म में, जहां अंडरकवर रिपोर्टर गया था, वकील ने कहा कि उसे यह दिखाने के लिए साक्ष्य बनाना होगा कि प्रवासी को घर लौटने पर उत्पीड़न और हत्या का डर है।एक अन्य वकील ने कहा कि वह इसका इस्तेमाल यह दिखाने के लिए करेंगे कि अंडरकवर रिपोर्टर को भारत में अपनी जान का खतरा है, इसमें सरकार विरोधी राजनीतिक निष्ठा, गलत जाति के किसी व्यक्ति के साथ प्रेम संबंध या समलैंगिक होना जैसे कारण शामिल होंगे।

यूक्रेन की राजधानी कीव में रुसी हमले से बचने के लिए एक सबवे स्टेशन के अंदर बैठे हुए लोग।

एयरफोर्स पायलट का दावा, अमेरिका के पास है एलियन

वॉशिंगटन (,एजेंसी)। अमेरिका के एक पूर्व एयरफोर्स के पायलट ने दावा किया है कि सरकार के पास एलियन है, लेकिन वह इसे छुपा रही है। गौरतलब है कि अमेरिका में यूएफओ देखने से जुड़ी घटनाएं कई बार सामने आती रही हैं। अमेरिका में इससे जुड़ा एक विभाग भी है। लेकिन अब मांग की जा रही है कि सरकार के पास जो जानकारी है, उसमें और भी ज्यादा पारदर्शिता लाई जाए। अमेरिकी सेना के तीन रिटायर्ड अधिकारियों ने यूएफओ से जुड़ी घटनाओं पर सदन में होने वाली सुनवाई में गवाही दी। इसके साथ उन्होंने कहा कि इन्हें देखा जाना राष्ट्रीय सुरक्षा की समस्या है और सरकार उनके बारे में बहुत गुप्त रही है। कांग्रेस की एक ओवरसाइट उपसमिति ने बुधवार को यूएफओ पर सुनवाई रखी थी। इस सुनवाई के लिए दबाव डालने वाले सांसदों ने सरकार से यूएफओ को लेकर और भी ज्यादा पारदर्शी होने को कहा था। इस दौरान अमेरिका के पूर्व नौसेना पायलट रयान ग्रेव्स ने कहा कि अगर यूएफओ विदेशी ड्रोन हैं तो यह तत्काल राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है। अगर यह कुछ और हैं तो विज्ञान का मुद्दा है। उन्होंने कहा कि किसी भी मामले में अमेरिका के आसमान में उड़ने वाली अज्ञात वस्तुएं उड़ान सुरक्षा के लिए एक चिंता का विषय हैं। बता दें कि हवा में उड़ने वाली किसी भी अज्ञात चीज को सरकार यूएपी कहती है। हाल के वर्षों में दिखे यूएपी पर सरकार ने रिपोर्ट जारी की है। कुछ चीजों को सरकार अभी समझ नहीं सकी है। वहीं कुछ चीजों को गुब्बारा या प्लास्टिक के साथ-साथ ड्रोन, चिड़िया या मौसम की घटना बताया गया है। अमेरिकी नौसेना के रिटायर्ड कमांडर डेविड फ्रैवर और ग्रेव्स ने सेना में सर्विस के दौरान यूएपी देखे जाने के बारे में गवाही दी। वायुसेना के पूर्व खुफिया अधिकारी डेविड ग्रुश ने आरोप लगाया कि सरकार ने यूएपी देखे जाने के मामलों से जुड़े अपने रिसर्च को छिपाया है। अमेरिका इन यूएपी की रिवर्स इंजीनियरिंग कर रहा है। ग्रुश ने यह भी दावा किया कि सरकार के पास यूएपी ही नहीं, बल्कि इन विमानों से कथित तौर पर बरामद जीवों (एलियन) के अवशेष भी हैं। हालांकि पेंटागन ने सभी आरोपों से इनकार किया है। सुनवाई के दौरान पूछा गया कि यूएपी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा क्यों हैं, इस पर फ्रैवर ने 2004 में देखी गई घटना का जिक्र करते हुए कहा कि जिस तकनीक का हमने सामना किया है वह हमारे पास मौजूद किसी भी टेक्नोलॉजी से कहीं बेहतर थी। अमेरिका के टेनेसी से रिपब्लिकन प्रतिनिधि टिम बर्चेट ने कहा कि यह सरकारी पारदर्शिका का मुद्दा है।

यूक्रेनी सुरक्षा सेवा ने पिछले बार क्रीमिया पुल पर हमले की बात स्वीकारी

कीव (एजेंसी)। पहली बार यूक्रेन की सुरक्षा सेवा (एसबीयू) ने पिछले साल 22 अक्टूबर को केर्च ब्रिज पर हुए हमले में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है, जो कब्जे वाले क्रीमिया प्रायद्वीप को रूसी मुख्य भूमि से जोड़ता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हाल ही में यहां एक समारोह में सुरक्षा सेवा के प्रमुख वासिल माल्युक के हवाले से कहा ?कि क्रीमियन पुल का विनाश हमारी उपलब्धियों में से एक है। एसबीयू अधिकारी दुश्मन को नष्ट कर रहे हैं और अपनी भूमि को मुक्त कराने के लिए सब कुछ कर रहे हैं। एसबीयू प्रमुख की यह टिप्पणी उप रक्षा मंत्री हन्ना मलियार के इस महीने की शुरुआत में देश की सेना द्वारा पुल को उड़ाने का संकेत देने के बाद आई है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने 24 फरवरी, 2022 को रूस द्वारा आक्रमण शुरू करने के बाद से 12 यूक्रेनी उपलब्धियों को सूचीबद्ध किया था और कहा था कि 273 दिन पहले, हमने रूसी रसद को बाधित करने के लिए क्रीमिया पुल पर पहला हमला किया था। हालांकि, यूक्रेनी सरकार ने आधिकारिक तौर पर हमले का दावा नहीं किया है। यूक्रेनी अधिकारियों ने अक्टूबर 2022 में हुए विस्फोट का जश्न मनाया लेकिन जिम्मेदारी का स्पष्ट दावा नहीं किया था। 17 जुलाई को, पुल पर फिर से दो हमले हुए, इसके लिए एक यूक्रेनी सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि कीव जिम्मेदार है।

न्यूज ट्रेक

रहस्यमय ग्रह निबिरू की धरती से होगी टक्कर तो महाप्रलय निश्चित आएगा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। एक रहस्यमय ग्रह निबिरू की धरती से जोरदार टक्कर होगी और महाप्रलय हो जाएगा। यह चर्चा इन दिनों वैज्ञानिकों और भौतिकविदों के बीच जोर पकड़ रही है। हालांकि ज्यादातर ने इसे पूरी तरह से नकार दिया है। गौरतलब है कि प्लैनेट एक्स के नाम से जाना जाने वाला रहस्यमय खगोलपिंड कई वर्षों से प्रलय के सिद्धांत देने वालों और वैज्ञानिकों के बीच विवाद का विषय रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस बात की बेहद कम संभावना है कि यह ग्रह पृथ्वी से टकरा जाए। निबिरू को प्रलय के रूप में संदर्भित किए जाने वाले एक महाविनाश की भविष्यवाणी कुछ लोग करते हैं। इसमें एक विशाल रहस्यमय ग्रह पृथ्वी से टकराता है, जिससे सर्वनाश हो जाता है। हालांकि कई लोग इस रहस्यमय प्लैनेट एक्स के अस्तित्व को ही पूरी तरह से नकारते हैं। लेकिन एक भौतिक विज्ञानी का कहना है कि इस तरह की टक्कर को पूरी तरह खारिज करना उचित नहीं होगा। हालांकि 1995 में इसे प्रस्तावित किया गया था। सभी वैज्ञानिकों का आम तौर पर यही मत है कि ऐसी कोई विनाशकारी मुठभेड़ नहीं होने वाली है। इसमें नील डेग्रेस टायसन सहित वह विशेषज्ञ भी हैं जो प्लैनेट एक्स के अस्तित्व को खारिज करते हैं।

चीन के बाद अब अमेरिका के मीट बाजार से खतरनाक महामारी आने की चेतावनी

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। चीन से कोविड19 महामारी आने के आद अब अमेरिका के मीट बाजार से खतरनाक महामारी आने की चेतावनी दी जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमेरिका में आई एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगली वैश्विक महामारी अमेरिका से आ सकती है। हार्वर्ड लॉ स्कूल और न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी की एक रिपोर्ट में इंसान, जानवरों और जंगली जानवर के आपसी संपर्क की जांच के बाद कई खतरनाक बातें कही गई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अफ्रीका और एशिया के कुछ देशों में कई बीमारियां जानवरों की वजह से फैली हैं जिसमें एचआईवी/एड्स, इबोला, जीका, फ्लू और कोविड-19 शामिल हैं। इन जेनेटिक बीमारियों के लिए अक्सर गंदगी, संसाधनों में कमी या फिर उन जगहों पर असुरक्षित तरीकों को दोषी ठहराया जाता है। मगर अब अमेरिका की वजह से भी लोगों को खतरनाक बीमारियां मिल सकती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कई अमेरिकी अक्सर सोचते हैं कि उनके देश में ऐसा नहीं हो सकता है। लेकिन इस देश में नियम इतने कमजोर हैं कि कोई एक वायरस या दूसरी कोई संक्रामक बीमारी आसानी से अमेरिका में जानवरों से लोगों तक पहुंच सकती है जो कि महामारी में तब्दील हो सकती है।

रिपोर्ट को तैयार करने वालों में से एक एन लिंडर ने कहा कि वास्तव में सुरक्षा की यह झूठी भावना और निराधार विश्वास है कि जेनेटिक रोग कुछ ऐसा है जो बाकी जगहों पर है और अमेरिका में नहीं हो सकता। जबकि, मुझे लगता है कि हम कई मायनों में पहले से कहीं ज्यादा असुरक्षित हैं। रिपोर्ट में जोखिम के कई बिंदुओं पर भी बात की गई है जिसमें कमर्शियल फार्म सबसे ऊपर हैं। यह वह जगह है जहां पर लाखों जानवर एक-दूसरे और उनके संचालकों के निकट संपर्क में आते हैं। इस वजह से जंगली जानवरों से कोई इनफेक्शन आसानी से इनमें आ सकता है। कुछ जानवरों को हेल्थ चेकअप के बाद आयात किया जाता है। इसके बाद फर व्यापार जिसमें मिंक और बाकी जानवरों का प्रजनन किया जाता है।लिंडर के मुताबिक ग्लोबलाइजेशन की वजह से समुद्रों, पहाड़ों और बीमारी की बाकी प्राकृतिक सीमाएं खत्म हो गई हैं। विभिन्न महाद्वीपों में जानवरों और बीमारी की वजहों को मिलाया जा रहा है और यह काफी तेजी से बढ़ रहा है। रिपोर्ट में एन लिंडर ने कहा कि हर साल अमेरिका में पालतू जानवरों और बाकी दूसरे उद्देश्यों के लिए करीब 220 मिलियन जीवित जंगली जानवरों का आयात किया जाता है। उन्होंने बताया कि अगर कोई देश में कुत्ता या बिल्ली लाना चाहता है तो एक प्रक्रिया है। लेकिन अगर कोई आयातक है और दक्षिण अमेरिका से 100 जंगली स्तनधारियों को लाना चाहता है तो फिर बहुत आसान नियमों के साथ वह ऐसा कर सकता है। जबकि इस रिसर्च को नेशनल चिकन काउंसिल के वैज्ञानिक और नियामक मामलों के सीनियर ऑफिसर एशले पीटरसन ने खारिज कर दिया है।

निवेशकों का भारतीय स्टॉक बाजार में बढ़ रहा है निवेश

सम्पादकीय

किसी भी देश के लिए स्टॉक (पूंजी) बाजार में हो रहा उतार चढ़ाव उस देश की अर्थव्यवस्था में भविष्य में होने वाले परिवर्तनों को दर्शाता है। यदि स्टॉक बाजार में तेजी दिखाई देती है तो इसका आशय सामान्यत: यह लगाया जाता है कि उस देश की अर्थव्यवस्था में सुधार दृष्टिगोचर है। इसके विपरीत यदि स्टॉक बाजार नीचे की ओर जाता दिखाई देता है तो इसका आशय यह लगाया जाता है कि निकट भविष्य में उस देश की अर्थव्यवस्था में कुछ समस्याएं आने वाली हैं। भारत की अर्थव्यवस्था में आज लगभग किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं है, जिसके चलते भारत का स्टॉक बाजार नित नई ऊंचाईयां हासिल करता दिखाई दे रहा है। इसके ठीक विपरीत अमेरिका, चीन, रूस, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन, आदि जैसे लगभग सभी विकसित देशों में आज आर्थिक समस्याओं का अंबार लगा है। मुद्रा स्फीति की समस्या को तो कई विकसित देश अभी भी सम्हाल नहीं पाए हैं। विदेशी निवेशक संस्थानों का भरोसा इसी के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था पर वापिस बहाल हुआ है और औसतन प्रतिदिन 100 करोड़ रुपए के शेयर विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय स्टॉक बाजार में खरीद रहे हैं।

वर्ष 2014 के बाद से भारतीय स्टॉक बाजार ने जो रफ्तार पकड़ी हैं, वह भारतीय स्टॉक बाजार के इतिहास में पहिले कभी भी नहीं रही है। 7 अप्रेल 2014 को भारत में सेन्सेक्स 22,343 अंकों पर था, जो 26 मई 2014 को 24,700 के आंकड़े को पार कर गया। वर्ष 2019 में चुनावी बिगुल बजने से पहले 10 अप्रेल 2019 को सेन्सेक्स 38,600 अंकों पर पहुंचा। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में स्टॉक बाजार ने लगभग 73 प्रतिशत यानी 16,250 अंको से ज्यादा की छलांग लगाई। वर्ष 2020 में कोरोना महामारी पर नियंत्रण स्थापित करते हुए भारत ने पूरी दुनिया के पटल पर सफलता की एक कहानी लिखी। वर्ष 2020 में भारतीय स्टॉक बाजार ने दुनिया के बाजारों के मुकाबले निवेशकों को 15 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न प्रदान किया। मौजूदा समय में भारत में सेन्सेक्स 65,000 के पार पहुंच गया है। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में सेन्सेक्स ने 66 प्रतिशत यानी 25,500 अंकों की तेजी दिखाई है। बम्बई स्टॉक एक्स्चेंज का मार्केट केप 7 अप्रेल 2014 को 74.51 लाख करोड़ रुपए था, जो वर्तमान में बढ़कर 294.11 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच चुका है। इस प्रकार, इस दौरान निवेशकों की झोली में 219.59 लाख करोड़ रुपए आ चुके हैं। भारत में पिछले 40 दिनों में सेन्सेक्स ने लगभग 1800 अंकों की छलांग लगाई है।

भारतीय स्टॉक बाजार में वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के दौरान विदेशी निवेशकों की अहम भूमिका रही है। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 4,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश भारतीय स्टॉक बाजार में किया है। अप्रेल 2023 से जुलाई 2023 तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 1500-1600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश भारतीय स्टॉक बाजार में किया है।

गोपी से मनमोहिनी बन ईश्वरीय सेवा तक का सफ़र !

ब्रह्माकुमारी मनमोहिनी दीदी रूद्र ज्ञान यज्ञ के शुरुआती वर्षों में ही सन 1936-37 में ओम मंडली वर्तमान में ब्रह्माकुमारीज से जुड़ गई थी। उनका लौकिक नाम गोपी था। उनका जन्म सन 1915 में सिंध, हैदराबाद (जो अब पाकिस्तान में है, में माता रुक्मणी के घर हुआ था। दादा लेखराज जो बाद में ब्रह्मा बाबा के रूप में प्रसिद्ध हुए, के साथ दीदी मनमोहिनी के लौकिक परिवार से पारिवारिक संबंध था।दीदी मनमोहिनी एक धनाढ्य परिवार से थी,उनका विवाह भी ऐसे ही एक साहूकार परिवार में किया गया। एक दिन दीदी मनमोहिनी की माँ जो ओम मंडली के सत्संग से जुडी थी,के माध्यम से दादा लेखराज ने दीदी मनमोहिनी को भी सत्संग के लिए बुलवा लिया।मनमोहिनी दीदी को पहली बार में ही दादा लेखराज यानि ब्रह्माबाबा को देख एक अजीब सा रूहानी आकर्षण हुआ। उनको ब्रह्मा बाबा में श्री कृष्ण का साक्षत्कार हो रहा था। मनमोहिनी दीदी के शब्दों में, मैं जैसे पल भर के लिए स्वर्ग में पहुँच गयी। मुझे कृष्ण बहुत आकर्षित कर रहा था। उस दिन बाबा ने सत्संग में भगवद की गोपियों की बात की , कैसे वो एक के प्यार में मगन थी, तो मुझे अंदर से लगा की यह गोपी और कोई नहीं केवल में ही हूँ।

ब्रह्माकुमारी मनमोहिनी दीदी रूद्र ज्ञान यज्ञ के शुरुआती वर्षों में ही सन 1936-37 में ओम मंडली वर्तमान में ब्रह्माकुमारीज से जुड़ गई थी।उनका लौकिक नाम गोपी था।उनका जन्म सन 1915 में सिंध, हैदराबाद (जो अब पाकिस्तान में है, में माता रुक्मणी के घर हुआ था।दादा लेखराज जो बाद में ब्रह्मा बाबा के रूप में प्रसिद्ध हुए, के साथ दीदी मनमोहिनी के लौकिक परिवार से पारिवारिक संबंध था।दीदी मनमोहिनी एक धनाढ्य परिवार से थी,उनका विवाह भी ऐसे ही एक साहूकार परिवार में किया गया।एक दिन दीदी मनमोहिनी की माँ जो ओम मंडली के सत्संग से जुडी थी,के माध्यम से दादा लेखराज ने दीदी मनमोहिनी को भी सत्संग के लिए बुलवा लिया।मनमोहिनी दीदी को पहली बार में ही दादा लेखराज यानि ब्रह्माबाबा को देख एक अजीब सा रूहानी आकर्षण हुआ।उनको ब्रह्मा बाबा में श्री कृष्ण का साक्षत्कार हो रहा था।मनमोहिनी दीदी के शब्दों में, मैं जैसे पल भर के लिए स्वर्ग में पहुँच गयी। मुझे कृष्ण बहुत आकर्षित कर रहा था।उस दिन बाबा ने सत्संग में भगवद की गोपियों की बात की , कैसे वो एक के प्यार में मगन थी, तो मुझे अंदर से लगा की यह गोपी और कोई नहीं केवल में ही हूँ।

मनमोहिनी दीदी इस ज्ञान यज्ञ के प्रति समर्पित थी, उनके जीवन में बालकपन और मालिकपन का बैलेंस सभी ने देखा है।जो यथार्थ बात होती वह मालिक बन सबके सामने रखती थीं, लेकिन अगर सबकी एकमत नहीं होती तो बालक बन तुरंत उसे भूल जाती थी।कभी व्यर्थ की बहस में समय नहीं गंवाती थी।मनमोहिनी दीदी बालक बनकर ब्रह्माबाबा की अंगुली पकड़कर ज्ञानयज्ञ के हर विभाग का चक्कर लगाती रहती।बाबा उन्हें कहते थे, अभी आपने बाबा की अंगुली पकड़ी है, भविष्य में श्रीकृष्ण आपकी उंगली पकड़कर चलेगा।इस बात का नशा बनाए रखना!मनमोहिनी दीदी

गुणमूर्त बनकर सभी के गुण देखती थीं।उनका कहना था कि... विशेष आत्मा बन, विशेषता को ही देखो और विशेषता का ही वर्णन करो।उन्ही के शब्दों में,

मैं विशेष आत्मा हूं, शिव परमात्मा की प्यारी संतान हूं --- सदा मोती चुनने वाली होली हंस हूं ---मैं सदा सबकी विशेषताएँ ही देखती हूं और उनका ही वर्णन करती हूं-- इससे मेरी विशेषता भी बढ़ जाती है और उस आत्मा को भी प्रेरणा मिलती है।दीदी कहती थीं कि अगर हम किसी की कमजोरी मन में रखेंगे तो वो हमारी कमजोरी बन जायेगी...इसलिए हम किसी की कमजोरी देखे ही क्यों?... मैं आत्मा तो सर्व की विशेषता देखने वाली विशेष आत्मा हूँ... जब मैं आत्मा किसी की विशेषता देखती हूँ... तो वो मेरी भी विशेषता बन जाती हैं... और उस आत्मा को भी मुझ से पॉजिटिव एनर्जी मिलती हैं... और उनकी विशेषता और अधिक वृद्धि को पाती हैं।

मनमोहिनी दीदी का कहना था कि सदा अपने श्रेष्ठ स्वमान मे रहो... मैं गुणमूर्त आत्मा हूँ... सम्बन्ध-सम्पर्क में आने वाली हर आत्मा के गुण और विशेषता ही देखो... उनकी विशेषताओं का ही वर्णन करो... मैं परमात्मा समान आत्मा... मास्टर प्रेम का सागर हूँ... हर आत्मा प्रति कल्याण की भावना लिए हुये... हर आत्मा की विशेषताओं को उजागर कर... उनका उमंग-उत्साह बढ़ाने वाली आत्मा।वे कहा करती थी कि सदा सोचो कि मैं सर्व की स्नेही आत्मा बन गई हूँ... समाने की शक्ति द्वारा... सर्व की कमी कमजोरियों का विनाश कर... उनके गुणों और विशेषताओं को देख उन्हें आगे बढ़ाने की निमित्त आत्मा हूँ... सभी के पुरुषार्थ को तीव्र करने वाली बाप समान आत्मा हूँ।

वे कहा करती थी कि कई लोग आमतौर पर सिर्फ दिखावे के लिए पूजा करते हैं, लेकिन ब्रह्मा बाबा की भक्ति सच्ची और गहरी थी।उनकी भक्ति भावना, उदारता, उदारता और सहृदयता देखकर हर कोई उनकी ओर खिंचा चला आता था।बहुत अमीर होने के बावजूद भी हम अपने सांसारिक जीवन में बहुत दुखी थे।मनमोहिनी बताती थी कि उनके घर में सभी सुख-सुविधाएँ थीं और वे निरंतर दान-पुण्य में लगे रहते थे।गीता और भागवत बहुत प्रिय थे।भागवत में गोपियों की कहानी बहुत पसंद थी।उन्हें रोज़ भागवत में दी गई कहानिया पढ़ने की आदत थी।उन्होंने खुद को आंतरिक रूप से एक गोपी के रूप में देखा।नाम भी गोपी था।जब वे कृष्ण की गोपियों के साथ दैवीय क्रीड़ाओं के बारे में पढ़ती थी, तो मेरे मन में प्रेम के आँसू आ जाते थे।मनमोहिनी दीदी जब पहली बार ब्रह्माबाबा से मिलने गई तो ब्रह्मा बाबा एक छोटे से कमरे में हाथ में गीता ग्रंथ लेकर बैठे थे और आध्यात्मिक प्रवचन यानि सत्संग कर रहे थे।उन्हें उनके प्रति एक विशेष आकर्षण का अनुभव हुआ।

उन्होंने ब्रह्मा बाबा के माथे के बीच में एक घूमता हुआ प्रकाश चक्र देखा।बाद में ब्रह्माबाबा ने ओम की ध्वनि का जाप शुरू कर दिया और दीदी उस जाप के प्रेम में खो गई।मनमोहिनी दीदी को ज्योति चक्र प्रकाश को देखकर अनुभव हुआ कि ब्रह्माबाबा ही श्री कृष्ण हैं।

सत्संग पूरा होने के बाद उन्होंने ब्रह्माबाबा से कहा कि उनके मन में एक प्रश्न है।बाबा ने पूछा, कैसा प्रश्न? उन्होंने कहा, स्त्री का कोई गुरु नहीं हो सकता क्या? बाबा ने उत्तर दिया, मैंने यह नहीं कहा कि तुम्हें कोई गुरु रखना होगा।

ब्रह्माबाबा ने एक कागज और एक पेंसिल ली, सूक्ष्मलोक, मृत्युलोक और ब्रह्मलोक का चित्र बनाया और उन्हें समझाया।दीदी को अनुभव हो रहा था कि बाबा कृष्ण जैसे थे।वे ब्रह्मा बाबा की बात सुनती थी और उनके हृदय में दृढ़ विश्वास हो गया था कि वे वही गोपी है, जिसका वर्णन भागवत में किया गया है।

समझनी ही होगी प्रकृति की मूक भाषा

प्रदूषित हो रहे पर्यावरण के आज जो भयावह खतरे हमारे सामने आ रहे हैं, उनसे शायद ही कोई अनभिज्ञ हो और हमें यह स्वीकार करने से भी गुरेज नहीं करना चाहिए कि इस तरह की समस्याओं के लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार हम स्वयं भी हैं। पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। हमें यह भली-भांति जान लेना चाहिए कि इन प्रजातियों के लुप्त होने का सीधा असर समस्त मानव सभ्यता पर पड़ना अवश्वम्भावी है। सबसे पहले यह जानना बेहद जरूरी है कि प्रकृति आखिर है क्या? चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक में बताया गया है कि प्रकृति के तीन प्रमुख तत्व हैं जल, जंगल और जमीन, जिनके बगैर प्रकृति अधूरी है और यह विड़म्बना ही है प्रकृति के इन तीनों ही तत्वों का इस कदर दोहन किया जा रहा है कि इसका संतुलन डगमगाने लगा है, जिसकी परिणति अक्सर भयावह प्राकृतिक आपदाओं के रूप में सामने भी आने लगी है।

प्रदूषित हो रहे पर्यावरण के आज जो भयावह खतरे हमारे सामने आ रहे हैं, उनसे शायद ही कोई अनभिज्ञ हो और हमें यह स्वीकार करने से भी गुरेज नहीं करना चाहिए कि इस तरह की समस्याओं के लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार हम स्वयं भी हैं। पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। हमें यह भली-भांति जान लेना चाहिए कि इन प्रजातियों के लुप्त होने का सीधा असर समस्त मानव सभ्यता पर पड़ना अवश्वम्भावी है। सबसे पहले यह जानना बेहद जरूरी है कि प्रकृति आखिर है क्या? चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक में बताया गया है कि प्रकृति के तीन प्रमुख तत्व हैं जल, जंगल और जमीन, जिनके बगैर प्रकृति अधूरी है और यह विड़म्बना ही है प्रकृति के इन तीनों ही तत्वों का इस कदर दोहन किया जा रहा है कि इसका संतुलन डगमगाने लगा है, जिसकी परिणति अक्सर भयावह प्राकृतिक आपदाओं के रूप में सामने भी आने लगी है। प्राकृतिक साधनों के अंधाधुंध दोहन और प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही नतीजा है कि पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ने के कारण मनुष्यों के स्वास्थ्य पर तो प्रतिकूल प्रभाव पड़ ही रहा है, जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां भी लुप्त हो रही हैं। पर्यावरण का संतुलन डगमगाने के चलते लोग अब तरह-तरह की भयानक बीमारियों के जाल में फंस रहे हैं, उनकी प्रजनन क्षमता पर इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है, उनकी कार्यक्षमता भी इससे प्रभावित हो रही है। लोगों की कमाई का बड़ा हिस्सा बीमारियों के इलाज पर ही खर्च हो जाता है।

प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए जल, जंगल, वन्य जीव और वनस्पति, इन सभी का संरक्षण अत्यावश्यक है। दुनियाभर में पानी की कमी के गहराते संकट की बात हो या ग्लोबल वार्मिंग के चलते धरती के तपने की अथवा धरती से एक-एक कर वनस्पतियों या जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने की, इस तरह की समस्याओं के लिए केवल सरकारों का मुंह ताकते रहने से ही हमें कुछ हासिल नहीं होगा बल्कि प्रकृति संरक्षण के लिए हम सभी को अपने-अपने स्तर पर अपना योगदान देना होगा। प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर जो छेड़छाड़ कर रहे हैं, उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय से भयानक तूफानों, बाढ़, सूखा, भूकम्प जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। हमारे जो पर्वतीय स्थान कुछ सालों पहले तक शांत और स्वच्छ हवा के लिए जाने जाते थे, आज वहां भी प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है और ठंडे इलाकों के रूप में विख्यात पहाड़ भी अब तपने लगने हैं, वहां भी जल संकट गहराने लगा है, वहां भी बाढ़ का ताण्डव देखा जाने लगा है। इसका एक बड़ा कारण पहाड़ों में भी विकास के नाम पर जंगलों का सफाया करने के साथ-साथ पहाड़ों में बढ़ती पर्यटकों की भारी भीड़ भी है। कोई भी बड़ी प्राकृतिक आपदा सामने आने पर हम आदतन प्रकृति को कोसना शुरू कर देते हैं लेकिन हम नहीं समझना चाहते कि प्रकृति तो रह-रहकर अपना रौद्र रूप दिखाकर हमें सचेत करने का प्रयास करती रही है कि अगर हम अभी भी नहीं संभले और हमने प्रकृति से साथ खिलवाड़ बंद नहीं किया तो हमें आने वाले समय में इसके खतरनाक परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

प्रकृति हमारी मां के समान है, जो हमें अपने प्राकृतिक खजाने से ढ़ेरों बहुमूल्य चीजें प्रदान करती है लेकिन अपने स्वार्थों के चलते हम अगर खुद को ही प्रकृति का स्वामी समझने की भूल करने लगे हैं तो फिर भला प्राकृतिक तबाही के लिए प्रकृति को कैसे दोषी ठहरा सकते हैं बल्कि दोषी तो हम स्वयं हैं, जो इतने साधनपरस्त और आलसी हो चुके हैं कि अगर हमें अपने घर से थोड़ी ही दूरी से भी कोई सामान लाना पड़े तो पैदल चलना हमें गवारा नहीं। इस छोटी सी दूरी के लिए भी हम स्कूटर या बाइक का सहारा लेते हैं। छोटे-मोटे कार्यों की पूर्ति के लिए भी निजी यातायात के साधनों का उपयोग कर हम पैट्रोल, डीजल जैसे धरती पर ईंधन के सीमित स्त्रोतों को तो नष्ट कर ही रहे हैं, पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचा रहे हैं और पैदल चलना छोड़कर अपने स्वास्थ्य के साथ भी खिलवाड़ रहे हैं। हमारे क्रियाकलापों के चलते ही वायुमंडल में कार्बन मोनोक्साइड, नाइट्रोजन, ओजोन और पार्टिक्यूलेट मैटर के प्रदूषण का मिश्रण इतना बढ़ गया है कि हमें वातावरण में इन्हीं प्रदूषित तत्वों की मौजूदगी के कारण सांस की बीमारियों के साथ-साथ टीबी, कैंसर जैसी कई और असाध्य बीमारियां जकड़ने लगी हैं। पैट्रोल, डीजल से पैदा होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड और ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को बेहद खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है।

पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, इसलिए जरूरत है कि हम अपने-अपने स्तर पर वृक्षारोपण में दिलचस्पी लें और पौधारोपण के पश्चात् उन पौधों की अपने बच्चों की भांति ही देखभाल भी करें। पर्यावरणीय असंतुलन के बढ़ते खतरों के मद्देनजर हमें खुद सोचना होगा कि हम अपने स्तर पर प्रकृति संरक्षण के लिए क्या योगदान दे सकते हैं। अगर हम वाकई चाहते हैं कि हम और हमारी आने वाली पीढ़ियां साफ-सुथरे वातावरण में बीमारी मुक्त जीवन जीएं तो हमें अपनी इस सोच को बदलना होगा कि यदि सामने वाला व्यक्ति कुछ नहीं कर रहा तो मैं ही क्यों करूं? अपनी छोटी-छोटी पहल से हम सब मिलकर प्रकृति संरक्षण के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं। हम प्रयास कर सकते हैं कि हमारे दैनिक क्रियाकलापों से हानिकारक कार्बन डाई ऑक्साइड जैसी गैसों का वातावरण में उत्सर्जन कम से कम हो। पानी की बचत के तरीके अपनाते हुए जमीनी पानी का उपयोग भी हम केवल अपनी आवश्यकतानुसार ही करें।

जहां तक संभव हो, वर्षा के जल को सहेजने के प्रबंध करें। प्लास्टिक की थैलियों को अलविदा कहते हुए कपड़े या जूट के बने थैलों के उपयोग को बढ़ावा दें। बिजली बचाकर ऊर्जा संरक्षण में अपना अमूल्य योगदान दें। आज के डिजिटल युग में तमाम बिलों के ऑनलाइन भुगतान की ही व्यवस्था हो ताकि कागज की बचत की जा सके और कागज बनाने के लिए वृक्षों पर कम से कम कुल्हाड़ी चले। विश्वभर में आधुनिकीकरण और औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर जो खिलवाड़ हो रहा है, उसके मद्देनजर आमजन को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करने की जरूरत अब कई गुना बढ़ गई है। कितना ही अच्छा हो, अगर हम सब प्रकृति संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लेते हुए अपने-अपने स्तर पर उस पर ईमानदारी से अमल भी करें। प्रकृति बार-बार अपनी मूक भाषा में चेतावनियां देकर हमें सचेत करती रही है, इसलिए स्वच्छ और बेहतर पर्यावरण के लिए जरूरी है कि हम प्रकृति की इस मूक भाषा को समझें और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपना-अपना योगदान दें।

खेल संबंधी चोटों का इतिहास, बचाव एवं पुनर्वास

स्पोर्ट्स इंजुरी समय के अनंत से खेलों में एक सामान्य घटना रही है। प्राचीन यूनान में ओलंपिक खेलों में प्रतियोगिता करते समय खिलाड़ियों को बारंबार हड्डियों के टूटने और स्पेन की चोटें आई थीं। इसी के बारे में हिप्पोक्रेटिक शपथ में भी खेलों की चोटों के उपचार के लिए एक अनुभाग है, जो लगभग 400 ईसा पूर्व में लिखी गई थी।20वीं सदी की प्रारंभिक दशक में, खेल चिकित्सा का अध्ययन एक अलग शाखा के रूप में प्रकट होने लगा। डॉक्टर और ट्रेनर ने खिलाड़ियों के लिए विशेषज्ञ उपचार, जैसे कि शारीरिक चिकित्सा और rehabilitation कार्यक्रम विकसित करना शुरू किया। 1930 के दशक में, पहले स्पोर्टस मेडिसिन क्लिनिक संयुक्त राज्य में स्थापित किए गए थे, और 1950 के दशक तक स्पोर्टस मेडिसिन को पहचाना गया था एक मान्यता प्राप्त चिकित्सा विशेषता के रूप में।

एक खिलाड़ी को बनने में सालों की तपस्या लगती है किंतु एक छोटा सा हादसा भी उसके खेल जगत के करियर को खतरे में डाल सकता है। आज खिलाड़ियों में स्पोर्ट्स चोटे आम बात है, लेकिन चिकित्सा ज्ञान और तकनीकी के उन्नति ने यह संभव बना दिया है कि खिलाड़ियों को बेहतर उपचार मिल सके और उनकी चोटे जल्दी से ठीक हो सकें। स्पोर्ट्स मेडिसिन के विशेषज्ञ/फिजियोथेरेपिस्ट खिलाड़ियों के साथ नजदीकी से काम करते हैं ताकि चोटों को होने से रोक सकें, और जिन्हें चोट आती है, उनके लिए प्रभावी उपचार योजनाएं विकसित कर सकें। आधुनिक चिकित्सा की मदद से, खिलाड़ियों को गंभीर चोटों के बाद भी सर्वोच्च स्तर पर प्रतियोगिता जारी रखने में सक्षम होते हैं। भारत में स्पोर्ट्स चोटें बहुत व्यापक हैं, और यह खेल और प्रतियोगिता के स्तर पर निर्भर करती है। है। भारतीय मेडिकल रिसर्च जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, भारत में स्पोर्ट्स चोटें अस्पताल भर्तियों की एक महत्वपूर्ण संख्या का कारण हैं। इस अध्ययन में खेल चोटों की संख्या 73.4त्न थी। दूसरे एक अध्ययन में, क्लिनिकल आर्थोपेडिक्स और ट्रॉमा जर्नल में प्रकाशित हुआ कि क्रिकेट के खेल में भारत में चोटों की सबसे अधिक घटना थी, जिसके बाद फुटबॉल और हॉकी आते थे। इस अध्ययन में यह भी पाया गया कि सबसे आम चोटों के प्रकार लिगामेंट स्प्रेन, मांसपेशियों के खिचाव और घाव थे। समग्र रूप से, भारत में स्पोर्ट्स चोटें एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य समस्या हैं, और खिलाड़ियों के लिए चोट से बचाव और उपचार रणनीतियों को सुधारने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। स्पोर्ट्स चोटें खिलाड़ियों के लिए विनाशकारी हो सकती है। जो उन्हें हफ्तों महीनों या यहां तक कि वर्षों तक खेल से अलग कर सकती हैं। स्पोर्टस रिहैबिलिटेशन एक व्यापक दृष्टिकोण है जो विभिन्न तकनीकों और चिकित्साओं को शामिल करता है। स्पोर्ट्स रिहैबिलिटेशन का उद्देश्य खिलाड़ियों को उनके पूर्व चोट स्तिथि एवं प्रतियोगिता स्तर में जल्दी और सुरक्षित रूप से वापस लाना है। शीघ्र एवं केंद्रित उपचार और खिलाड़ियों, कोचों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच सहयोग सफल रिहैबिलिटेशन के लिए महत्वपूर्ण हैं। चोटिल खिलाड़ी स्पोर्ट्स रिहैबिलिटेशन में निवेश करके, खिलाड़ियों को वापस वह करने में सक्षम हो सकते हैं जो उन्हें प्रिय है और उनकी पूरी कार्यक्षमता को प्राप्त कर सकते हैं। एमजीएम एलाइड हैल्थ साइसेज इंस्टीट्यूट (माहसी), एमजीएम मेडिकल कॉलेज, इन्दौर, एक उच्च स्तरीय रिहेब सेंटर बूटी एडवांस स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर (बेसिक) का उद्घाटन करने जा रहा है, जहां प्रशिक्षण और संरचना, उन्नत कौशल, चोटों की रोकथाम और विभिन्न खेल से संबंधित चोटों के इलाज की देखभाल की जाएगी। हमारे स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर का मुख्य उद्देश्य खिलाड़ियों के लिए एकीकृत खेल विशेष तकनीकें प्रदान करना है ताकि उनके खेल प्रदर्शन के साथ-साथ उनके शारीरिक रचना को उन्नत किया जा सके। हमारे संस्थान का अनुसंधान के क्षेत्र में अच्छी पहचान है। जहां हम प्रमाण आधारित अभ्यास पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

बूटी एडवांस स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर के सेटअप में नवीनतम, उत्कृष्ट और प्रमाण-आधारित चिकित्सा और प्रशिक्षण उपकरण शामिल किए हैं ताकि चोटिल एथलीट की रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया को सुधारने और सुविधाजनक बनाने में सहायता मिल सके।

स्वाद के वशीभूत होकर अपना स्वास्थ्य बिगाड़ रहे हैं बच्चे

समूची दुनिया में अधिकतर बच्चे और बड़े अपने स्वाद के वशीभूत होकर अपना स्वास्थ्य बिगाड़ रहे हैं। यह एक जानी हुई बात है कि स्वस्थ तन में स्वस्थ मन रहता है। अगर हमारा तन स्वस्थ है, तो हम प्रत्येक कार्य को कुशलतापूर्वक करके जीवन को सफल बना सकते हैं, लेकिन आमतौर पर होता यह है कि हम स्वाद के मायाजाल में फंस कर जीवन को संकट में डाल देते हैं।

अनेक बच्चे और बड़ों को देखा जा सकता है कि वे जीभ के स्वाद में प्रकृति के प्रतिकूल चलकर गंभीर बीमारियों का शिकार होकर अस्पताल और डाक्टरों के पास चक्कर लगा कर अपना धन और समय बर्बाद करते रहते हैं। उन्हें देख कर मुझे सहानुभूति होती है कि आखिर वे इस तरह न केवल अपना, बल्कि समूचे मानव जीवन को नरक बनाने के 'अभियान' में लगे हैं।

एक तरफ जीभ का स्वाद और दूसरी ओर भोजन को भी खाते हुए चबा कर नहीं खाना और न ही भोजन को नियम और प्रकृति के अनुकूल खाया जाता है। इसके अलावा अपनी दिनचर्या को भी प्रकृति के प्रतिकूल बनाकर कई लोग जीवन में दुख और संकटों से घिरे रहते हैं। आयुर्वेद कहता है कि जो मनुष्य प्रकृति के अनुकूल होकर अपने जीवन को ढाल लेते हैं, वे हमेशा स्वस्थ और प्रसन्न रह कर सकारात्मक ऊर्जा से भरे रहते हैं।

साथ ही अपने जीवन में सफल होकर मानव जीवन को सार्थक कर लेते हैं, जिसके लिए प्रकृति ने उन्हें निर्मित किया होता है। साथ ही यह भी कहा गया है कि हमें भोजन को ईश्वर का प्रसाद मान कर ग्रहण करना चाहिए यानी भोजन को पहले ईश्वर का धन्यवाद करके ही ग्रहण करना

चाहिए। यह याद रखना चाहिए कि अनेक लोग आज भी इस धरा पर भूखे रह जाते हैं।

अपने आसपास अगर नजर घुमाई जाए तो ज्यादातर लोग खाने को किसी जल्दबाजी के काम की तरह निपटाते हैं। जबकि सेहत और स्वाद के लिए जरूरी है कि भोजन को चबाकर खाया जाए। पुरानी पीढ़ियों को इस वैज्ञानिक तथ्य की जानकारी थी कि भोजन के बाद या बीच में ठंडा पानी पीना वर्जित है और अगर पीना ही पड़े तो गुनगुना जल पीना चाहिए। इसकी वजह यह है कि ठंडा पानी आमाशय की अग्नि को बुझा देता है।

भोजन के पाचन में अवरोध उत्पन्न होता है, जिससे भोजन बहुत समय तक आमाशय में पड़ा रहता है। आज जिन लोगों के पेट आगे की ओर निकल आते हैं और वजन बढ़ जाता है, तो यह एक तरह से अनेक रोगों को निमंत्रण देना है। प्रकृति के मुताबिक देखें-जानें तो हमें मौसम की हर सब्जी और फल आदि खाना चाहिए।

इसके लिए हमारी क्रयशक्ति जो और जितनी भी इजाजत दे, लेकिन खाना चाहिए। प्रकृति ने सब्जियों और फलों में शरीर को मजबूत बनाने और रोग प्रतिरोधात्मक शक्ति बढ़ाने के लिए पोषक तत्त्वों को सम्मिलित किया है। लेकिन आमतौर पर होता यह है कि हम स्वाद के वशीभूत होकर मौसम की सभी सब्जियां, फल और दालें आदि नहीं खाते हैं और न अपने बच्चों को खिलाने के लिए प्रेरित करते हैं।

हम बच्चों को दोष नहीं दे सकते। बच्चे तो वैसा ही भोजन खाते हैं, जैसा कि उनके पालक या संरक्षक उन्हें खिलाना चाहते हैं और उनके अभ्यास में डालते हैं। आज बच्चे तुरंत भोजन के आदी हो गए हैं। साथ ही समय-असमय खाने के भी। वे चबाकर नहीं खाते हैं, खाते समय मोबाइल और टीवी देखते रहते हैं, जिससे वे बचपन में ही बहुत सारी बीमारियों से घिर जाते हैं। ऐसे में उनके संरक्षक धन और समय बर्बाद करते हैं। शिक्षा और पढ़ाई पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

एक जरूरी पहलू यह है कि स्वस्थ रहने के लिए रात में दांत और जीभ को साफ करके सोना चाहिए। ऐसा करने से हम बहुत सारे रोगों से यों ही बचे रह सकते हैं। रात को जल्दी सोने की आदत और सुबह में जगकर सबसे पहले गुनगुना पानी दो-चार गिलास पीने से हमारे आमाशय, छोटी आंत, गुर्दे और बड़ी आंत की सफाई अच्छे से हो जाती है। इससे हमेशा हमारा तन और मन स्वस्थ रहता है। फिर हम स्वस्थ रहने के लिए योग, सैर या पढ़ाई आदि कर सकते हैं। अपनी रुचि के मुताबिक कुछ और सक्रियता बना सकते हैं।

स्वादिष्ट और ताजा चीजें अवश्य खाना चाहिए, लेकिन जीभ के स्वाद के वशीभूत होकर बीमारियों को आमंत्रित करना बुद्धिमानी नहीं है। मनुष्य का जीवन अमूल्य है। इसे स्वस्थ रखने के लिए स्वाद के मायाजाल में फंसने से बचना चाहिए। खासतौर पर बच्चों को इससे बचाया जाना चाहिए। भोजन के समय मोबाइल और टीवी से दूर रहने से पाचन शक्ति के हारमोन मोबाइल और टीवी के असर से शरीर में उपजी प्रतिक्रिया में स्थानांतरित हो जाते हैं।

शरीर अस्वस्थ हो जाता है। शरीर ही सारे कर्तव्यों को पूरा करने का एकमात्र साधन है। इसलिए शरीर को स्वस्थ रखना बेहद आवश्यक है, क्योंकि सारे कर्तव्य और कार्यों की सिद्धि इसी शरीर के माध्यम से होनी है। इसलिए इस अनमोल शरीर की रक्षा करना और उसे निरोगी रखना मनुष्य का सर्वप्रथम कर्तव्य है। 'पहला सुख निरोगी काया' - यह स्वस्थ रहने का मूल-मंत्र है।

बच्चों को खेल-खेल में पढ़ाएं

छोटे बच्चों को पढ़ाना सबसे कठिन काम होता है । ऐसे में एक अभिभावक होने के नाते आपकी यह जिम्मेदारी बनती है कि, एक बच्चे को कैसे पढ़ाया जाए, और उसके सही तरीके आपको मालूम होने चाहिए। आमतौर पर अभिभावक पढ़ाई के दौरान अपने बच्चों की पिटाई करते हैं, ताकि वह डर से पढ़ाई कर सके पर यह तरीका बेहद गलत है, क्योंकि मारने-पीटने से बच्चे और जिद्दी व अड़ियल हो जाते हैं।

ऐसे में आपको यह जानना बहुत जरूरी है कि बच्चे को किस तरह पढ़ाएं ताकि वह पढ़ाई आनंद ले और पढ़ाई में उसकी रुचि बनी रहे हालाँकि, कुछ उपायों के जरिए आप अपने बच्चों को सही तरीके से पढ़ा सकते हैं, जिनमें ये शामिल है।

वीडियो की मदद से- अपने छोटे बच्चों को पढ़ाने का यह तरीका बेहद सही है, क्योंकि बच्चे कविताओं वाले वीडियो की मदद से जल्दी सीखते हैं। बाजार में इस तरह के वीडियो बहुत उपलब्ध हैं, ऐसे में अपने बच्चों को इसके जरिए याद करा सकते हैं।

रंग-बिरंगी किताबें- अगर आपका बच्चा बहुत छोटा है तो उसे फोटो वाली रंग-बिरंगी किताबें खरीद कर दें क्योंकि, बच्चे उन तस्वीरों को देख कर अच्छे से याद कर सकते हैं, और इसका एक फायदा यह भी होगा कि आपके बच्चे उन चीजों को दुबारा आसानी से पहचान सकते हैं।

बच्चों से सवाल पूछें- अपने बच्चों से हमेशा सवाल पूछते रहें और उनके सवालों के भी जवाब दें। अगर बच्चा कुछ पूछे तो उनकी बातों को नजरअंदाज न करें। साथ ही उनके साथ जानकारी भरी बातें करें, क्योंकि बच्चे सुने हुए बातों को जल्दी सीखते हैं। बच्चों के साथ जबरदस्ती न करें- भूल कर भी बच्चों के साथ सख्ती बरतने की कोशिश न करें, इससे आपका बच्चा जिद्दी रूप अख्तियार कर सकता है। ऐसे में, बच्चों को अलग-अलग तरीके से समझाने की कोशिश करें। दोस्तों के साथ खेलने दें- बच्चे अपने दोस्तों से भी बहूत कुछ सीखते हैं, ऐसे में अपने बच्चों को अपने दोस्तों के साथ भी थोड़ा समय बिताने दें।

बेहद जानलेवा है चाय के साथ सिगरेट का सेवन

जाने अनजाने में अक्सर कई लोग अपनी कुछ बुरी आदतों को लाइफस्टाइल का हिस्सा बना लेते है। जैसे कि चाय या कॉफी के साथ सिगरेट पीना। वैसे तो सिगरेट पीना सेहत के लिए काफी हानिकारक है। कई लोग मूड को रिफ्रेश करने के लिए, थकान दूर करने के लिए चाय पीते है। लेकिन कुछ लोगों को चाय के साथ सिगरेट पीने की आदत होती है तो इसे आज ही बदल दें। क्योंकि इससे आपके शरीर को काफी नुक्सान हो सकता है। तो चलिए जानते है उसके बारे में।

चाय और कॉफी के साथ सिगरेट क्यों नहीं पीनी चाहिए: शोधकर्ताओं का कहा है कि चाय के साथ सिगरेट पीने से कैंसर का खतरा 30 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। चाय में कई तरह के टॉक्सिन्स होते हैं। ये तत्व शरीर के लिए खतरनाक माने जाते हैं। जब ये जहर सिगरेट के साथ मिल जाते हैं तो कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी का कारण बनते हैं। इसलिए, शोधकर्ताओं ने कहा कि चाय के साथ सिगरेट पीने से बचना चाहिए। बता दें कि धूम्रपान में कुछ भी जैसे चाय के साथ कोई भी तम्बाकू उत्पाद लेने से गंभीर स्वास्थ्य खतरे बढ़ जाते हैं। यह सच है क्योंकि आप कार्बन जलाकर सांस ले रहे हैं। वहीं इसके चलते फेफड़ों के कैंसर और हृदय रोग का बढ़ता जोखिम शामिल है।

शरीर के कई अंग हो सकते हैं प्रभावित

सिगरेट से निकलने वाले धुएं में कार्बन मोनोऑक्साइड गैस मौजूद होती है, जो खून में ऑक्सीजन के स्तर को कम कर देती है। ऐसी में आप कॉफी या चाय के साथ सिगरेट पीते है तो इसकी स्थिति और भी ज्यादा गंभीर हो जाती है। इससे न सिर्फ आपके फेफड़े प्रभावित होंगे, बल्कि शरीर के दूसरे अंगों पर भी बुरा प्रभाव पड़ेगा।

गर्मियों में एक कटोरी दही का सेवन रखेगा कई बीमारियों से दूर

बदलते मौसम का असर सबसे पहले स्वास्थ्य पर ही पड़ता है खासकर गर्मी के मौसम में लू, हीट स्ट्रोक और घमौरियों जैसी परेशानियां होने लगती हैं। इन सब समस्याओं से बचने का सबसे आसान तरीका है कि अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखा जाए। इस मौसम में शरीर को हैल्दी रखने के लिए ठंडी चीजें अपनी डाइट में शामिल की जाएं। ऐसी चीजें जिनकी तासीर ठंडी हो उन्हें अपनी डाइट में शामिल करके आप गर्मियों में हैल्दी रह सकते हैं। ठंडी तासीर की बात करें तो उसमें से दही सबसे पहले आता है। दही का सेवन गर्मी में करना बेहद लाभकारी माना जाता है। इससे शरीर कई तरह की बीमारियों से दूर रहता है। तो चलिए आज आपको बताते हैं कि गर्मियों में दही का सेवन करने से आपको क्या-क्या फायदे होंगे....

पोषक तत्वों से भरपूर होता है दही

दही में कई सारे पोषक तत्व जैसे प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, शुगर, कैल्शियम, मैग्नीशिय, फॉस्फोरस, पोटेशियम, सोडियम, जिंक, कॉपर, सेलेनियम, विटामिन-सी, विटामिन-बी6, विटामिन-ए, विटामिन-बी, विटामिन-के, फैटी एसिड पाए जाते हैं। यह सारे पोषक तत्व शरीर के लिए बेहद ही फायदेमंद माने जाते हैं।

पाचन रहता है स्वस्थ

दही में फाइबर पाया जाता है गर्मियों के मौसम में यदि नियमित रुप से इसका सेवन किया जाए तो पाचन तंत्र स्वस्थ रहता है। इसके अलावा दही के अंदर अच्छे बैक्टीरिया मौजूद होते हैं ऐसे में एक कटोरी दही का सेवन करके आप पेट संबंधी कई बीमारियों को दूर रख सकते हैं।

हड्डियां बनती हैं मजबूत : दही में कैल्शियम, फॉस्फोरस दोनों ही काफी अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं ऐसे में इसका सेवन करने से हड्डियां और दांत दोनों ही मजबूत बनते हैं और आपका शरीर भी एकदम स्वस्थ रहता है।

वजन भी होता है कम

यदि आप वजन कम करना चाहते हैं तो भी दही का सेवन कर सकते हैं इसमें प्रोटीन और हैल्दी फैट्स मौजूद होते हैं। ऐसे में गर्मियों में नियमित रुप से इसका सेवन करने से वजन कम करने के साथ-साथ हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या भी दूर होती है।

इम्यूनिटी होती है मजबूत

दही में पाए जाने वाले अच्छे बैक्टीरिया आपका स्वास्थ्य सुधारने में मदद करते हैं। इसके अलावा इससे आपकी इम्यूनिटी भी मजबूत होती है। गर्मियों में रोज दही खाने से आपका इम्यून सिस्टम मजबूत बनता है और आप मौसमी बीमारियों से भी दूर रहते हैं।

कितनी मात्रा में सेवन करना फायदेमंद : वैसे तो गर्मियों में आप एक कटोरी दही का सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा मात्रा उम्र और व्यक्ति के स्वास्थ्य पर भी निर्भर करती है। यदि आप किसी बीमारी से जूझ रहे हैं तो एक बार डॉक्टर की सलाह लेकर ही दही का पर्याप्त मात्रा में सेवन करें ।

बच्चों के झूठ बोलने की आदत ऐसे होगी ठीक

बच्चे में अक्सर अपनी बातें छिपाना, झूठ बोलना, आज का काम कल पर टालना, बहाने बनाना जैसी आदतें देखने को मिलती हैं। ज्यादातर बच्चे घर और स्कूल में अपने माता-पिता और टीचर्स से झूठ बोलते हैं। कई बार क्लास बंक करना, बीमारी का बहाना बनाकर असाइनमेंट पूरा न करना और स्कूल न जाने जैसी आदतों से पेरेंट्स परेशान रहते हैं। माता-पिता झूठ बोलने या बहाना बनाने पर बच्चों को डांटते-पीटते हैं मगर वो ये कारण नहीं जानना चाहते कि बच्चे को उनसे क्यों झूठ बोलना पड़ा। ऐसे में बच्चे धीरे-धीरे बिगड़ जाते हैं। बच्चों की बहनेबाजी और झूठ बोलने की आदत को इस प्रकार ठीक करें।

इस लिए झूठ बोलते हैं बच्चे

कई अभिभावक अपने बच्चों के साथ जरूरत से ज्यादा रोक-टोक करते हैं। उन्हें ऐसा लगता है कि अगर वो ऐसा नहीं करेंगे तो उनके बच्चे हाथ से निकल जाएंगे और गलत संगत में पड़ जाएंगे जबकि ऐसा नहीं है। अभिभावकों का बच्चों के साथ बात-बात पर रोक-टोक करना उन्हें झूठ बोलने के लिए मजबूर करता है।

बच्चे भी प्राईवेसी चाहते हैं। अगर वो गलत नहीं है तब भी उन्हें अपनी बात किसी के साथ शेयर करना या सफाई देना अच्छा नहीं लगता है लेकिन कई पेरेंट्स इस बात को समझने के बजाय अपने बच्चों की छोटी-छोटी बातों पर शक करते हैं और उन्हें ताने मारते हैं।

बचपन से ही डांट-डपट कर रखने और हर बात पर टोकने से बच्चों के अवचेतन में मां-बाप के प्रति गुस्सा और घृणा भर जाती है। ऐसे बच्चे ज्यादातर समय मां-बाप से दूर रहना चाहते हैं और उन्हें कुछ भी बताने से घबराते हैं। वहीं दोस्तों के साथ उन्हें अपनी कोई भी बात साझा करने में कोई परेशानी नहीं होती है क्योंकि दोस्तों के बीच उन्हें अपनापन महसूस होता है। इसलिए बच्चों को बचपन से प्यार

दें और कुछ गलत करने या झूठ बोलने पर उन्हें प्यार से समझाएं। इस तरह बच्चे आपसे जुड़ाव महसूस करेंगे और अपनी बातें आपसे बताने में झिझक नहीं महसूस करेंगे।

जब अभिभावक बच्चों के साथ ज्यादा सख्ती बरतते हैं तो डांट या सज़ा से बचने के लिए वे ऐसे तरीके अपनाते हैं। अगर अभिभावकों को भी झूठ बोलने या बहाने बनाने की आदत हो तो उन्हें देखकर बच्चे भी ऐसा ही व्यवहार करने लगते हैं।

ऐसे लायें बच्चों पर नियंत्रण

सबसे पहले तो आप अपने व्यवहार में बदलाव लाने की कोशिश करें, तभी बच्चे आपकी बात मानेंगे।

बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार अपनाएं, अगर उनसे कोई गलती हो भी जाए तो डांटने के बजाय प्यार से समझाएं।

ओवर रिएक्ट करने के बजाय बच्चे को प्यार से समझाएं।

जिस वक्त बच्चा अपनी गलती मानने को तैयार न हो, तब उसे समझाने की कोशिश न करें। थोड़ी देर बाद जब वह शांत हो जाए तो उसके सामने तार्किक ढंग से अपनी बात रखें। प्यार के साथ उसे अपनी गलतियां स्वीकारना, सुधारना और माफी मांगना सिखाएं।

बच्चे को ज्यादा डांटे-फटकारें नहीं

बच्चों को कभी भी मारें नहीं और न ही उनके सामने गलत भाषा का प्रयोग करें।

जब घर में माता और पिता दोनों ही कामकाजी होते हैं तो वो अपने बच्चों के साथ वक्त नहीं बिता पाते हैं। ये सच है कि वो अपने बच्चों को मेड और सभी जरूरी चीजें उपलब्ध कराते हैं लेकिन माता पिता को ये समझना चाहिए कि बच्चों को आपकी जरूरत है। इसलिए अगर आप दोनो कामकाजी है तब भी अपने बच्चों के साथ दिन में कम से कम एक घंटा जरूर बिताएं। इस एक घंटे में अपने बच्चे से पूछे कि उसने दिनभर क्या किया या वो क्या सोच रहा है। इससे बच्चे आपके करीब आयेंगे।

ऐसे करें नवजात शिशु की देखभाल

बनना हर महिला के लिए एक खूबसूरत एहसास है। उनकी खुशी को बयां नहीं किया जा सकता। लेकिन पहली बार मां बनने वाली कई महिलाओं को ये मालूम ही नहीं होता कि उनको बच्चे की देखभाल कैसे करनी चाहिए। ऐसे समय में सबसे अच्छा होता है कि आप इस विषय पर घर की किसी भी बुजुर्ग महिला से बात करें। साथ ही हमारे दिए गए इन टिप्स को ध्यान से पड़े। तो चलिए जानते है इनके बार में।

ऐसे करें नवजात शिशु की देखभाल

मां बनने के बाद बच्चे को प्यार के साथ-साथ स्किन टच की भी जरूरत होती है। बच्चे को प्यार से सीने से लगाएं, उसके माथे पर हल्का टच करें और धीरे-धीरे सहलाएं। शिशु मस्तिष्क के विकास के लिए मां को चाहिए उससे थोड़ी - थोड़ी बातें जरूर करें। शिशु का समय-समय पर डायपर चेक करते रहें। क्योंकि जब डायपर ज्यादा गंदा हो जाता है तो इंफेक्शन या एलर्जी होने की सम्सया बढ़ जाती है। बेबी फिडिंग बोतल को साफ करने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल करें। इसके बाद ही शिशु को दूध पिलाएं। नवजात शिशु की स्किन बहुत ही नाजुक और सेंसिटिव होती है। जन्म के लगभग तीन हफ्ते के अंदर शिशु की अम्बिलिकल कॉर्ड गिर जाती है। इससे पहले शिशु को स्पंज बाथ ही दिया जाता है। जब तक शिशु की अम्बिलिकल कॉर्ड गिर न जाये तब तक उसे न नहलाएं।

बच्चे को हिलाने से मस्तिष्क में रक्तस्त्राव हो सकता घातक

शिशु को उठाते हाथ से सहारा देना शिशु को संभालने का एक सुरक्षित तरीका है। बच्चे को पानी में रखने से पहले, पानी का तापमान जांचना सुनिश्चित करें क्योंकि ज्यादा गर्म पानी के लिए सही नहीं है। खेलते समय बच्चे को हिलाने से मस्तिष्क में रक्तस्त्राव हो सकता है जो घातक हो सकता है। यहां तक कि जब बच्चे को जगाने का समय हो, तो पैरों को हल्के से गुदगुदी करने से शिशु जाग जाएगा। छोटे बच्चे को संभालने से पहले अपने हाथों को धोना सुनिश्चित करें या कम से कम एक सैनिटाइज़र का उपयोग करें। नवजात शिशु के लिए मां का दूध ही सर्वोत्तम माना जाता है। मां को बच्चे को तब तक दूध पिलाना चाहिए, जब तक वह पूरी तरह से संतुष्ट न हो जाए।

विराट के पास एकदिवसीय सीरीज में सचिन, पोटिंग ओर जयसूर्या को पीछे छोड़ने का मौका

मुम्बई (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के दौरे पर गयी भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की एकदिवसीय सीरीज में एक अहम रिकार्ड अपने नाम कर सकते है। विराट एकदिवसीय में एक शतक लगाते ही सचिन तेंदुलकर से लेकर रिकी पोटिंग तक को पीछे छोड़ देंगे। विराट एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे तेजी से 13000 रन पूरे करने से केवल एक शतक पीछे हैं। उन्हें यहां तक पहुंचने के लिए केवल 102 रनों की जरुरत है। इसके साथ ही विराट सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को भी पीछे कर देंगे। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोटिंग से लेकर श्रीलंका के सनत जयसूर्या तक उनसे पीछे हो जाएंगे।

विराट ने अभी तक केवल 274 मैच और 265 पारियों में 12898 रन बनाये हैं। ऐसे में उन्हें सीरीज में 13000 रन पूरे करने के लिए 102 रन और चाहिये। इसके साथ ही विराट के नाम सबसे तेज 13000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड दर्ज हो जाएगा। विराट के वनडे आंकड़ों की बात करें तो उन्होंने 46 शतकों की मदद से 57.3 की औसत से अबतक 12898 रन बनाए हैं। विश्व के वर्तमान खिलाड़ियों ने विराट के बराबर शतक नहीं लगाए हैं। विराट अब तक इंटरनेशनल क्रिकेट में 76 शतक लगाये हैं।

भारतीय पुरूष हॉकी टीम का नीदरलैंड से मुकाबला ड्रॉ रहा

बार्सीलोना (एजेंसी)। भारतीय पुरूष हॉकी टीम का एफआईएच प्रो लीग में नीदरलैंड से मुकाबला बराबरी पर रहा। स्पेन हॉकी महासंघ की सौंवी वर्षगांठ पर आयोजित चार देशों के इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में दोनो ही टीमें 1-1 गोल ही कर पायीं। भारतीय टम को पहले मैच में स्पेन के हाथों हार का सामना करना पड़ा था पर भारतीय टीम ने दूसरे मैच में बेहतर प्रदर्शन करते हुए डच टीम पर दबाव बनाये रखा। भारतीय टीम की ओर से एकमात्र गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 12वें मिनट में किया जबकि डच टीम की ओर से जैस्पर ब्रिंकमैन ने 40वें मिनट में एक गोल दागकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। भारतीय टीम ने इस मैच में शुरु से ही आक्रामक रणनीत अपनायी। टीम के कप्तान हरमनप्रीत ने 12वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिला दी।

वैलिंगटन में फीफा महिला विश्वकप फुटबॉल मुकाबले में अमेरिका की लिंडसे हार्न गोल करने के बाद साथी खिलाड़ियों के साथ उत्साहित नजर आयीं।

चार देशों के टूर्नामेंट के लिए भारतीय जूनियर पुरुष टीम घोषित, उत्तम सिंह होंगे कप्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने जर्मन में होने वाले चार देशों के हॉकी टूर्नामेंट के लिए 20 सदस्यीय भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी दी है। ये टूर्नामेंट अगले माह 18 से 22 अगस्त तक जर्मनी के डसेलडोर्फ में खेला जाएगा। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में इंग्लैंड, स्पेन और मेजबान जर्मनी का मुकाबला करेगी। इस टूर्नामेंट से 5 से 16 दिसंबर तक मलेशिया के कुआलालंपुर में होने वाले एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2023 के लिए टीम की तैयारियों का भी पता चलेगा।

इस टूर्नामेंट में टीम की कप्तानी फारवर्ड उत्तम सिंह के पास रहेगी जबकि उप-कप्तान बॉबी सिंह धामी रहेंगे। टीम में डिफेंडर शारदा नंद तिवारी और अरिजीत सिंह हुंदल जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं।, जिनके पास वरिष्ठ स्तर पर खेलने का कुछ अनुभव है। टीम के कोच सी.आर. कुमार ने कहा, हम एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2023 की तैयारी के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं और सुधार के कुछ क्षेत्रों की हमने पहचान की है। 4 देशों का टूर्नामेंट यह देखने का सही मौका है कि क्या हम सही दिशा में हैं।

साथ ही कहा कि हार देशों के इस टूर्नामेंट में उच्च दबाव वाली मैच स्थितियों का सामना करने से टीम को अपनी मानसिक स्थिति में सुधार करने में मदद मिलेगी।

भारतीय टीम- गोलकीपर- मोहित एच.एस., रणविजय सिंह यादव।

डिफेंडर- शारदा नंद तिवारी, रोहित, अमनदीप लाकड़ा, आमिर अली, वारिबम नीरज कुमार सिंह, योगेम्बर रावत।

मिडफील्डर- पूवन्ना सी.बी., विष्णुकांत सिंह, राजिंदर सिंह, अमनदीप, सुनीत लाकड़ा, चेतन शर्मा, अमित कुमार यादव।

फॉरवर्ड- अरिजीत सिंह हुंदल, अंगद बीर सिंह, बॉबी सिंह धामी (उपकप्तान), उत्तम सिंह (कप्तान), सुदीप चिरमाको।

एशियाई खेलों में भाग लेने भारतीय पुरुष और महिला फुटबॉल टीमों को अनुमति मिली

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष और महिला फुटबॉल टीमें इस साल चीन में होने वाले एशियाई खेलों में भाग लेंगी। इसके लिए इन टीमों को केन्द्रीय खेल मंत्रालय से अनुमति मिल गयी है। एशियाई खेल 23 सितंबर से चीन के हांगझोऊ में खेले जाएंगे। इससे पहले कहा जा रहा था कि फुटबॉल टीमें खेल मंत्रालय के वर्तमान नियम के अनुसार इन खेलों में भाग नहीं ले पायेंगी। खेल मंत्रालय के नियम में कहा गया है कि इस टूर्नामेंट में केवल शीर्ष आठ में शामिल टीमों को ही मंजूरी मिलेगी और भारतीय राष्ट्रीय फुटबॉल पुरुष और महिला टीमें अभी 18वें और 11वें स्थान पर हैं पर केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कॉन्टिनेंटल शोपीस इवेंट में छूट देते हुए भारतीय टीम की भागीदारी तय कर दी।

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने ट्वीट कर प्रशंसकों को भारतीय टीम के इन खेलों में भाग लेने की खुशखबरी दी। उन?होंने एक ट्वीट में कहा, भारतीय फुटबॉल प्रेमियों के लिए अच्छी खबर! हमारी राष्ट्रीय फुटबॉल टीमें, पुरुष और महिला दोनों, आगामी एशियाई खेलों में भाग लेने के लिए तैयार हैं। वहीं युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने भी दोनों टीमों की भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए नियमों में राहत देने का फैसला किया है। वहीं मौजूदा नियम के अनुसार ये टीमें टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई नहीं कर रही थीं। हाल के दिनों में इन टीमों के अच्छे प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए, मंत्रालय ने यह छूट देने का निर्णय लिया है।

खेलमंत्री ने ठाकुर ने कहा, मुझे भरोसा है कि वे एशियाई खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे और हमारे देश को गौरवान्वित करेंगे। विशेष रूप से अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर प्रशंसकों के समर्थन के बाद सरकार ने नियमों में ढील देने का निर्णय लिया है। हाल में भारतीय फुटबॉल टीम ने सैफ चैंपियनशिप और इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीता था। इसके बाद लगातार फुटबॉल का क्रेज प्रशंसकों के बीच बढ़ता चला गया।

न्यूज ट्रेक

अमेरिका का नीदरलैंड से मुकाबला बराबरी पर रहा

वेलिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका का फीफा महिला विश्व कप फुटबॉल मुकाबले में नीदरलैंड से मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा है। लिंडसे होरान के गोल की सहायता से अमेरिकी टीम इस मैच में डच टीम को ड्रॉ पर रोकने में सफल रही। इस मैच की शुरुआत में नीदरलैंड की ओर पहले हाफ में ही जिल रूर्ड ने एक गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिया दी। इसके बाद अमेरिका की ओर से 62वें मिनट में होरान ने हेडर से गोल दागकर स्कोर 1-1 पर ला दिया। इस मैच के बाद अमेरिका और नीदरलैंड दोनों ग्रुप ई में शीर्ष पर पहुंच गयी हैं पर अमेरिका का गोल औसत अच्छा होने के कारण उसकी स्थिति बेहतर हुई है।

अमेरिका ने साल 2019 महिला विश्व कप के फाइनल में नीदरलैंड को ही 2-0 से हराया था। ग्रुप की शीर्ष टीम का मुकाबला ग्रुप जी की दूसरे स्थान की टीम से होगा।

सोशल मीडिया से कमाई में नंबर एक पर हैं रोनाल्डो, एक पोस्ट के लिए लेते हैं 20 करोड़ रुपये

लिस्बन (एजेंसी)। पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो खेल के साथ ही कमाई के मामले में काफी आगे हैं। रोनाल्डो सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट से ही 20 करोड़ रुपये कमा रहे हैं। इस मामले में अब वह उन्होंने मशहूर मॉडल काइली जेनर से भी आगे निकल गये हैं। रोनाल्डो अब इंस्टाग्राम पर प्रति पोस्ट के लिए (1.87 मिलियन) यानी करीब 20 करोड़ रुपए लेते हैं। इस सूची में दो फुटबॉलर भी शीर्ष तीन में शामिल हैं। इसके अलावा पांच गायक भी इस सूची में शामिल हैं। इस सूची में भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली भी शीर्ष -20 में शामिल हैं। वह एक पोस्ट से ही करीब 9 करोड़ रुपए लेते हैं। उनके इंस्टाग्राम पर 330 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

विराट की फार्म पर सवाल उठाने पर बोले रोहित, टीम को जीत दिलाना हमारा लक्ष्य

पोर्ट ऑफ स्पेन (एजेंसी)। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की फार्म पर सवाल उठाने पर करारा जवाब देते हुए कि उनका मुख्य काम टीम को जीत दिलाना है। विराट ने इस दौरे में पांच साल बाद विदेशी धरती पर शतक लगाया है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें विराट के कोहली के बड़ी पारी नहीं खेल पाने को लेकर चिंता थी। जिसके जवाब में रोहित ने कहा, मैं पहले भी इस सवाल का जवाब दे चुका हूं। ये सब बाहरी बातें हैं। हम टीम के भीतर क्या होता है, वह जानते हैं। हम इस पर ध्यान नहीं देते। हमें मैच और सीरीज जीतनी हैं, यह नहीं कि कौन क्या कह रहा है। हमें उससे फर्क नहीं पड़ता। भारतीय कप्तान ने कहा कि उनना लक्ष्य एकदिवसीय सीरीज जीतने पर ध्यान देने का है। उन्होंने कहा, मैं कई बार कह चुका हूं कि टीम के अंदर की बातें हम भीतर ही रखना चाहते हैं और आगे भी यही कहूंगा। विराट ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पोर्ट आफ स्पेन में अपने 500वें अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान शतक लगाया था। इससे पहले उन्होंने दिसंबर 2018 में विदेश में शतक बनाया था।

विंटेज कार रोल्स रॉयस चलाते दिखे धोनी

रांची (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आजकल खेल से दूर हैं और अपने घर में समय बिता रहे हैं। धोनी का एक वीडियो भी आया है इसमें वह कूल अंदाज में विंटेज कार रोल्स रॉयस चलाते दिख रहे हैं। धोनी के विंटेज कार चलाने का वीडियो उनके प्रशंसक ने ही शेयर किया है जिसमें कैप्टन कूल पुरानी विंटेज 1980 रोल्स रॉयस चला रहे हैं। वो पूरे ध्यान से गाड़ी चलाते हुए एन्जॉय करते दिख रहे है। धोनी के पास नई और पुरानी गाडियों का भी अच्छा कलेक्शन है। हाल ही में उन्होंने 61 लाख रुपये की कीया इवी 6 खरीदी है। इससे पहले उन्होंने 75 लाख रुपये की हमर एच2 भी खरीदी थी। धोनी को बाइक और कार का बेहद शौक है। इसी कारण धोनी के रांची स्थित फार्म हाउस के गैराज में कई कार और बाइकें रखी है। इसका वीडियो भी हाल ही में सोशल मीडिया पर आया था।

संतोष ट्रॉफी के लिए ड्रॉ निकाले गये, 36 टीमें को छह ग्रुप में बांटा गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। संतोष ट्रॉफी फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ निकाल निकाला गया है। इसमें शामिल 36 टीमें को छह ग्रुप में बांटा गया है। पंजाब और हरियाणा टीमों को ग्रुप बी में रखा गया है। इसी ग्रुप में रिकॉर्ड 32 बार के चैंपियन बंगाल भी रहेगी। इसके अलावा ओडिशा, दिल्ली और लद्दाख भी इस ग्रुप की अन्य टीमें हैं। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली टीमें तथा दूसरे नंबर पर रहने वाली चार टीमें के अंतिम दौर में मौजूदा चैंपियन कर्नाटक और उपविजेता मेघालय की टीमों के साथ जुड़ेंगी।

टीमों के ग्रुप इस प्रकार हैं :-

ग्रुप ए- केरल, गोवा, छत्तीसगढ़, गुजरात, अरुणाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर।

ग्रुप बी- पंजाब, हरियाणा, ओडिशा, दिल्ली, लद्दाख, बंगाल।

ग्रुप सी- मणिपुर, झारखंड, तमिलनाडु, नागालैंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश।

ग्रुप डी- रेलवे, बिहार, चंडीगढ़, राजस्थान, असम, हिमाचल प्रदेश।

सिराज को एकदिवसीय सीरीज के लिए मिला आराम

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय के लिए आराम दिया है। इसी को देखते हुए वह स्वदेश लौट गये हैं। सिरान ने टेस्ट सीरीज में भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान संभाली थी क्योंकि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और जसप्रीम बुमराह टीम में नहीं थे। माना जा रहा है कि

बीसीसीआई ने कार्यभार प्रबंधन के तहत सिराज को वेस्टइंडीज दौरे के एकदिवसीय मैचों से आराम देने का फैसला किया है। इसका कारण है कि आने वाले दिनों में भारतीय टीम का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है। टीम को अगस्त के अंत से सितंबर के मध्य तक एशिया कप खेलना है, जिसके बाद तीन मैचों की घरेलू सीरीज खेली जाएगी। अक्टूबर में भारत में विश्व कप से पहले व्यस्त समय के दौरान सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला भी खेलनी है।

सिराज कैरेबियाई दौरे के लिए टी20 टीम में भी नहीं हैं। उन्हें केवल टेस्ट मैचों में जगह दी गयी थी। उन्होंने इस दौरे में अच्छी गेंदबाजी की। उन्होंने पोर्ट-ऑफ-स्पेन की सपाट कोर्ट पर पहली पारी में पांच विकेट लिए थे। उन्होंने अपना अंतिम एकदिवसीय मैच घरेलू मैदान पर मार्च 2022 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ था।

पाक बल्लेबाज सऊद ने गावस्कर सहित चार खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा

गॉल (एजेंसी)। पाकिस्तान के बल्लेबाज सऊद शकील ने यहां श्रीलंका के साथ जारी दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में अर्धशतक लगाते ही एक अहम उपलब्धि हासिल कर ली है। सऊद ने तीसरे दिन अपना सातवां अर्धशतक लगाते हुए टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर के लगातार छह अर्धशतक के रिकार्ड को भी तोड़ दिया। सऊद ने अब तक सात टेस्ट मैच खेले हैं इसमें प्रत्येक में वह अर्धशतक बनाने में सफल रहे हैं। ऐसा करने वाले वह विश्व के पहले बल्लेबाज हैं। इसी के साथ इस पाक बल्लेबाज ने गावस्कर, बेसिल बुचर, सईद अहमद और बर्ट सटक्लिफ को भी पीछे छोड़ दिया है।

पर्थ में फीफा महिला विश्वकप फुटबॉल में खेलती हुई कनाडा व आयरलैंड की खिलाड़ी।

लक्ष्य और प्रणय जापान ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

टोक्यो (एजेसी)। भारत के एच एस प्रणय और लक्ष्य सेन जीत के साथ के जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। लक्ष्य ने पुरुष एकल मुकाबले में जापान के केंटा सुनेयामा को 21-14, 21-16 से पराजित किया।

वहीं प्रणय ने एक अन्य पुरुष एकल मुकाबले में हमवतन किदाम्बी श्रीकांत को 19-21, 21-9, 21-9 से हराया।

इसके अलावा पुरुष एकल में साइराज रंकीरेड्डी तथा चिराग शेट्टी की जोड़ी भी जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंच गयी है। इस जोड़ी ने डेनमार्क के लास्से मोल्हेडे और जेप्पे बे की जोड़ी को 21-17, 21-11 से पराजित किया। लक्ष्य ने एक घंटे के अंदर ही केंटा को हराया। पहला गेम जीतने के बाद उसने सुनेयामा को वापसी का मौका ही नहीं दिया।

वहीं प्रणय पहला गेम हार गए थे।

आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में बुमराह को कप्तानी मिलना तय

मुम्बई (एजेंसी)। टीम इंडिया के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अभी अपनी फिटनेस हासिल कर रहे हैं और माना जा रहा है कि एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए उन्हें अगले माह होने वाले आयरलैंड दौरे में उतरा जाएगा। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार इस दौरे में बुमराह को कप्तान बनाया जा सकता है क्योंकि इस दौरे में ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या सहित अधिकतर अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया जा सकता है। ऐसे में माना जा रहा है कि बुमराह को ही टीम की कप्तानी मिलेगी।

आयरलैंड दौरे में तीन टी-20 मैच 18, 20 और 23 अगस्त को होने हैं। वहीं विंडीज दौरे के बाद एक कैंप आयोजित किया जाएगा। मुख्य कोच राहुल द्रविड़ चाहते हैं कि एशिया कप के लिए चुने गए सभी खिलाड़ी इस शिविर में भाग लें। इस मामले में केवल बुमराह को ही राहत मिल सकती है क्योंकि जिन्हें टीम प्रबंधन और चयनकर्ता पहले टी 20 मैचों में आंकना हैं। बुमराह 10 महीने के बाद वापसी कर रहे हैं। इस दौरान उनकी सर्जरी भी हुई थी।

द्रविड़ ने एशिया कप की तैयारी के लिए बेंगलुरु में एक सप्ताह का शिविर लगाने का सुझाव दिया है। यह शिविर 24-25 अगस्त को शुरू हो सकता है। 30 अगस्त से 17 सितंबर तक चलने वाले एशिया कप में भारतीय टीम का पहला मैच 2 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ है। इसी कारण द्रविड़ और उनके सहयोगी स्टाफ के सदस्यों को इस शिविर को देखते हुए 18 से 23 अगस्त के बीच आयरलैंड के साथ होने वाली टी20 सीरीज से आराम दिया गया है।

स्टोक्स की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बजने लगा बार्बी गीत

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज के पांचवे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले मेजबान टीम के कप्तान की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक अजीब बात सामने आई। किसी ने स्टोक्स का माइक्रोफोन हाईजैक करके उस पर बार्बी सॉन्ग चला दिया। इसके बाद इंग्लैंड के कप्तान हंसने लगे तो उन्हें बताया गया कि इस सब के पीछे उनका ही एक साथी खिलाड़ी शामिल है। स्टोक्स ने ऊपर देखा तो वह मार्क वुड थे। स्टोक्स भी मुस्कुराने लगे। अब इसका एक वीडियो वारयल हो रहा है। खैर इसके बाद स्टोक्स ने कहा कि ओवल में शुरू होने वाले अंतिम एशेज टेस्ट के लिए टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इंग्लैंड ने इस मैच में तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन को टीम में बनाये रखा हालांकि एंडरसन ने इस श्रृंखला के तीन मैचों में 76.75 के औसत से सिर्फ चार विकेट लिए हैं। स्टोक्स ने कहा, एंडरसन इस खेल में सबसे महान तेज गेंदबाज हैं और वह अब भी उतने ही अच्छे दिख रहे हैं जितने दो साल पहले थे। हालांकि इस श्रृंखला में उनका उतना प्रभाव नहीं रहा जितना वह चाहते थे, लेकिन वह एक अच्छे गेंदबाज और बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी हैं।

विधायक श्रीमती कृष्णा गौर ने वार्ड क्र. 67 में किया सड़क निर्माण हेतु भूमिपूजन

- महापौर परिषद की सदस्या श्रीमती छाया ठाकुर के साथ कल्पना नगर में निर्माणाधीन सड़क के कार्यों का भी किया निरीक्षण

भोपाल । विधायक श्रीमती कृष्णा गौर ने वार्ड क्र. 67 के अंतर्गत डी.के.-टावर से सतनामी नगर तक सड़क के डामरीकरण कार्य हेतु विधिवत भूमिपूजन किया साथ ही वार्ड क्र. 64 के अंतर्गत स्थानीय महापौर परिषद की सदस्या श्रीमती छाया ठाकुर के साथ कल्पना नगर क्षेत्र में निर्माणाधीन सड़क के निर्माण कार्यों का निरीक्षण

भी किया। गोविन्दपुरा क्षेत्र की विधायक श्रीमती कृष्णा गौर ने वार्ड क्र. 67 में डी.के.टावर से सतनामी नगर तक सड़क के डामरीकरण हेतु विधिवत भूमिपूजन किया। इसके अतिरिक्त श्रीमती गौर ने वार्ड क्र. 64 के अंतर्गत कल्पना नगर में निर्माणाधीन सड़क के कार्यों का भी निरीक्षण किया और कार्यों के संबंध में निगम अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उक्त अवसरों पर महापौर परिषद की सदस्या श्रीमती छाया ठाकुर, पार्षद श्रीमती ममता विश्वकर्मा, श्रीमती उर्मिला मौर्या, राजेश चौकसे के अलावा प्रदीप लोधी, मनोज विश्वकर्मा, धर्मेन्द्र त्रिपाठी, दलजी सिंह, संजय कुंवर, धर्मेन्द्र प्रजापति, प्रतीक पाराशर सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद थे।

ग्रामीण क्षेत्रों में अधो-संरचना के कार्यों को प्राथमिकता

भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रामखेलावन पटेल ने कहा है कि राज्य सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में तरक्की की रफ्तार को गति देने के लिये अधो-संरचना के कार्यों को प्राथमिकता दी है। प्रदेश में 16 जुलाई से प्रारंभ हुए विकास पर्व के दौरान अधो-संरचना के कार्यों के भूमि-पूजन और लोकार्पण निरंतर किये जा रहे है। विकास पर्व के दौरान जन-सामान्य को राज्य सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है। राज्य मंत्री पटेल बुधवार को सतना जिले के अमरपाटन के ग्राम गंजास, देवरीकलां(रझौड़ी) और पुरैना (मुड़कड़ा) में आयोजित विकास पर्व समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर राज्य मंत्री पटेल ने करीब 36 लाख रूपये के विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया। राज्य मंत्री पटेल ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये राज्य सरकार ने अनेक योजनाएँ शुरू की है। प्रदेश में इसके अच्छे परिणाम भी आ रहे है। सामाजिक क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बड़ी है। राज्य मंत्री पटेल ने करीब 14 लाख रूपये लागत के प्राथमिक शाला के बाउंड्रीबॉल का भूमि-पूजन, 3 लाख रूपये लागत के माध्यमिक शाला के सौन्दर्यीकरण और 3 लाख 40 हजार रूपये लागत के सड़क का लोकार्पण किया। राज्य मंत्री ने ग्राम पंचायत देवरीकलां में 12 लाख रूपये की लागत से निर्मित होने वाले कौशल उन्नयन प्रशिक्षण केन्द्र और करीब 4 लाख रूपये लागत से बनने वाले रोड का भूमि-पूजन किया। समारोह में राज्य मंत्री ने लाड़ली लक्ष्मी कन्याओं का पूजन और लाड़ली बहनों पर पुष्प वर्षा की।

एडीबी प्रतिनिधि मंडल ने किया कुरावर जल प्रदाय परियोजना का निरीक्षण

भोपाल। एशियन डेवलपमेंट बैंक के प्रतिनिधि मंडल ने कुरावर जल प्रदाय परियोजना का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। एडीबी प्रतिनिधि मंडल में कार्यकारी निदेशक समीर खरे, विशेषज्ञ विवेक विशाल, मुरूगराज और तोयचिक चांसावत शामिल रहे। एमपीयूडीसी की ओर से प्रमुख अभियंता दीपक रत्नावत सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। एडीबी प्रतिनिधि मंडल ने जल शोधन संयंत्र परिसर में पौधरोपण भी किया। उल्लेखनीय है कि राजगढ जिले की कुरावर जल प्रदाय परियोजना नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा एशियन डेवलपमेंट बैंक के वित्तीय सहयोग से निर्मित की जा रही है।

आगर जिले में 63 करोड़ से होगा विद्युत संरचनाओं का सुदृढ़ीकण

भोपाल। रिवेम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) में आगर जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में दो वर्षों में 63 करोड़ रूपए के कार्य कराए जाएंगे। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि नए कार्यों से आगामी दस वर्षों की बिजली वितरण व्यवस्था सुदृढ़ीकृत होगी। इसमें राज्य का अंशदान भी शामिल रहेगा। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक अमित तोमर ने बताया है कि नए ग्रिड, पुराने ग्रिडों की क्षमता वृद्धि, नए वितरण ट्रांसफार्मर, अंडर ग्राउंड केबल, केपेसिटर बैंक, मिक्स फीडर का विभक्तिकरण, पुराने कंडक्टर (तारों) की बजाए ज्यादा क्षमता के नए तार लगाने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर प्रारंभ कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि 8.70 करोड़ से 33/11 केवी के तीन सब स्टेशन न्यू पुलिस लाइन, सालरिया, कोहडिया में बनाए जाएंगे। ग्रिडों के साथ ही 33 केवी लाइन, 11 केवी लाइन,फीडर विभक्तिकरण, इंटर कनेक्शन का कार्य भी होगा। जिले के चिपिया, गाता, देहरिया, सोयत, आमला, मैना, ताखला, धरोला पर स्थित 33/11 केवी के ग्रिडों पर नए पावर ट्रांसफार्मर लगाने का कार्य करीब पौने चार करोड़ से होगा। ग्रिडों के पावर ट्रांसफार्मरों की क्षमता में विस्तार भी होगा। जिले में 33 स्थानों पर केपेसिटर बैंक लगेंगे, इस कार्य की लागत 5 करोड़ होगी। 209 किमी की बिजली लाइनों के कंडक्टर की क्षमता में वृद्धि की जाएगी। जिले में कुल 63 करोड़ के कार्य आरडीएसएस योजना में कराए जाएँगे।

मप्र के 76 लाख किसानों को मिली 1680 करोड़ की सम्मान निधि

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की। मध्य प्रदेश के 76 लाख से अधिक किसानों के खातों में एक हजार 680 करोड़ रुपये अंतिरत हुए। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल से वर्चुअली शामिल हुए। बता दें कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से प्रतिवर्ष छह हजार रुपये देती है। इसमें प्रदेश के 76 लाख से अधिक किसान आते हैं। इन सभी को शिवराज सरकार मुख्यमंत्री किसान कल्याण निधि के माध्यम से चार हजार रुपये अपनी ओर से दे रही है। इस राशि को अब बढ़ाकर छह हजार रुपये किया गया है। मुख्यमंत्री ने किसानों की समृद्धि के लिए प्रधानमंत्री द्वारा योजनाबद्ध तरीके से प्रयासों पर कहा कि किसानों के सशक्तीकरण के लिए कई पहल की गई हैं। आज देशभर में एक लाख 25 हजार पीएम किसान समृद्धि केंद्रों की शुरुआत की गई है, जिससे किसान को खाद, बीज और कृषि यंत्रों के लिए कहीं और जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ओपन नेटवर्क फार डिजिटल कामर्स की सुविधा से अब देश के किसी भी कोने में बैठे किसान को अपनी उपज को बाजार तक पहुंचाना और भी आसान हो जाएगा।

आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी में सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

भोपाल। आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी में उपजिला निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी और सहायक रिटर्निंग अधिकारियों के छठवें चरण के सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन की उपस्थिति में आज समापन हुआ। अंतिम चरण में 140 से अधिक अधिकारियों ने विधानसभा निर्वाचन संबंधी प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजन ने अधिकारियों को विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

972 से अधिक अधिकारियों को 9 चरणों में दिया गया प्रशिक्षण : आगामी विधानसभा निर्वाचन-2023 की तैयारियों को लेकर 12 जून से शुरू हुए उपजिला निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी और सहायक रिटर्निंग अधिकारियों के सर्टिफकेशन प्रोग्राम के प्रशिक्षण कार्यक्रम का 27 जुलाई को समापन हुआ। 9 चरणों में 972 से अधिक अधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के राष्ट्रीय स्तर के मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। समापन अवसर पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राकेश सिंह उपस्थित थे।

भोपाल में मनाया गया सीआरपीएफ का 85वाँ स्थापना दिवस

भोपाल । केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) ग्रुप केन्द्र भोपाल में सीआरपीएफ का 85वाँ दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पवन कुमार शर्मा महानिरीक्षक मध्यप्रदेश सेक्टर ने शहीद स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

स्थापना दिवस पर खेलकूद, वाद-विवाद प्रतियोगिता, पेंटिंग प्रतियोगिता, ऑर्ट एवं क्रॉफ्ट काम्पटीशन का आयोजन किया गया। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों और जवानों ने वृक्षारोपण भी किया। समारोह में मिठाई वितरित की गई। स्थापना दिवस समारोह में डीआईजी डॉ. संजय कुमार, डीआईजी दीपक शर्मा, डीआईजी अनुपम शर्मा, डीआईजी (चिकित्सा) डॉ. आर.के. मिश्रा तथा अन्य अधिकारी और जवान उपस्थित रहे।

वन विहार में छात्र-छात्राओं की चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता

भोपाल। अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में शासकीय-अशासकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं की वन्य-प्राणियों पर आधारित चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। चित्रकला प्रतियोगिता में 495 और भाषण प्रतियोगिता में 75 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। वन विहार में यह प्रतियोगिता वन्य-जीवन के प्रति, अपनत्व की भावना विकसित करने के साथ ही वन्य-प्राणियों के संरक्षण और संवर्धन में जन-भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को बाघ दिवस के अवसर पर 27 जुलाई को पुरस्कृत किया जायेगा।

भाषण प्रतियोगिता में रिसोर्स पर्सन में सेवानिवृत्त ए.के. खरे, उप वन संरक्षक, डॉ. एस.आर. बाघमारे, उप वन संरक्षक पंकज सिंह, उप वन संरक्षक विजय श्रीवास्तव और चित्रकला प्रतियोगिता में नवीन कुमार चित्रकार, श्रीमती संतोष खरे, महाप्रबंधक ग्रॉफिक्स हेमंत वायंगणकर प्रतियोगिता के निर्णायक रखे गये थे। रिसोर्स पर्सन ने छात्र-छात्राओं को वन्य-जीवन के बारे में जानकारी दी एवं छात्र-छात्राओं से सवाल भी पूछे। कार्यक्रम में संचालक श्रीमती पद्मप्रिया बालकृष्णन, अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सहायक संचालक सुनील कुमार सिन्हा ने किया।

सिवनी के लखनादौन में आदिवासी स्वाभिमान यात्रा ने भरी हुंकार

भोपाल । आदिवासियों के सम्मान में' कांग्रेस मैदान में के नारों से गूंज उठा लखनादौन! कांग्रेस आदिवासी प्रकोष्ठ और मध्य प्रदेश युवक कांग्रेस के द्वारा निकाली गई आदिवासी स्वाभिमान यात्रा के दसवें दिन आज यात्रा सिवनी जिले के लखनादौन पहुंची। जहां लखनादौन नगर में युवा कांग्रेस के तत्वाधान में मोटरसाइकिल रैली निकाली गई और विभिन्न संगठनों के द्वारा जगह-जगह यात्रा का स्वागत सत्कार किया गया। उसके बाद स्थानीय पप्पी लॉन में मध्यप्रदेश आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष रामू टेकाम एवं युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत भूरिया के साथ स्वाभिमान यात्रा के यात्रियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

यात्रा के दौरान आदिवासी नेता भूरिया और टेकाम ने स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार आदिवासी-दलित विरोधी सरकार है। सीधी का आदिवासी वर्ग के युवा पर पेशाब करने की घटना से मानवता पर ब?ा प्रहार किया गया, वहीं नेमावर, विदिशा, गुना, नीमच, खंडवा, खरगोन, इंदौर और स्वयं मुख्यमंत्री के गृह क्षेत्र बुधनी में एक आदिवासी के साथ हुईं घटनाएं दलित-आदिवासी वर्ग के साथ भद्दा, घोर निदंनीय और आपराधिक कृत्य हैं। प्रदेश की भाजपा सरकार को बने रहने का कोई अधिकार अब नहीं बचा है। हम सभी मिलकर इस निकम्मी भाजपा सरकार के 2023 के चुनाव में उखा? फैकने का काम करेंगे।

इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से लखनादौन के विधायक योगेंद्र सिंह बाबा, आदिवासी महिला कांग्रेस की अध्यक्ष श्रीमती चंद्रा सर्वटे, जिला युवक कांग्रेस के अध्यक्ष आनंद पंजवानी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रशांत यादव, नगर कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र गोल्हानी, सेवादल अध्यक्ष मुबारक खान आदिवासी प्रकोष्ठ अध्यक्ष अनिल सैयाम, झाम सिंह गुर्जर, अरुण दुबे, दशरथ डेहरिया, मध्य प्रदेश कांग्रेस के संभागीय प्रवक्ता गुंजन शुक्ला सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एम.पी.हाऊसिंग बोर्ड 477 करोड़ रूपए से करेगा निर्माण कार्य

भोपाल । मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास पर 477 करोड़ 48 लाख रूपये मे प्रदेश में नव-निर्माण कार्य प्रारंभ करेगा। पर्यावास भवन स्थित मुख्यालय में गुरूवार को संपन्न बैठक में मंडल आयुक्त चंद्रमौलिक शुक्ल ने बताया कि इनमें से भोपाल में 215 करोड़ 40 लाख की लागत से डुप्लेक्स, ट्रिप्लेक्स, भवनों और फ्लेटस के निर्माण की श्रंखला प्रारंभ की जा रही है। खजूरीकलां में 82 करोड़ की लागत से 146 डुप्लेक्स एवं ट्रिप्लेक्स भवनों का निर्माण, सुरम्य परिसर में 240 प्रकोष्ठ भवनों का निर्माण कार्य पर 117 करोड 40 लाख एवं सनखेड़ी में 16 करोड़ की लागत 86 डुप्लेक्स, ट्रिप्लेक्स, आवासीय भवनों का निर्माण किये जायेंगे। इसके अलावा अयोध्या नगर,अटल आश्रय योजना एवं सफायर पार्क सिटी के कई प्रोजेक्टस पर सहमति प्रदान की गई।अपर आयुक्त एस.के.मेहर ने मंडल के विभिन्न प्राजेक्टस की बिन्दुवार प्रस्तुति की। बैठक में अपर आयुक्त एस.के.वर्मा.बी.सोलंकी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। ग्वालियर में आईटी पार्क का निर्माण 92 करोड़ से आयुक्त गृह निर्माण मंडल चंद्रमौलि शुक्ल ने बताया कि निर्माण श्रंखला में ग्वालियर में 92 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक आईटी पार्क निर्माण किया जाएगा। सागर में डॉ हरिसिंह गोर नगर सागर फेस 4 में 29 करोड़ की लागत से विभिन्न प्रकार के 227 भवनों का निर्माण एवं 9 एकड़ भूमि पर निर्माण कार्य किए जायेंगे। सागर संभाग के पन्ना जिले में प्राणनाथपुरम में 11.85 हेकटेयर भूमि पर 520 भूखंडों पर विकास कार्य प्रारंभ किए जायेंगे। 55 फलेटस एवं 24 दुकानों का होगा जबलपुर में निर्माण शुक्ल ने बताया कि गृह निर्माण मंडल हाथीताल जबलपुर में 24 करोड़ की लागत से 55 विभिन्न प्रकार के फ्लेट्स एवं 24 दुकानों के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है।

आयुक्त निःशक्तजन कल्याण ने बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन, थानों का निरीक्षण कर दिव्यांगजन सुविधा बढाने के दिए निर्देश

भोपाल । निःशक्तजन कल्याण आयुक्त संदीप रजक ने गुरूवार को अनूपपुर मे थाना अजाक, थाना कोतवाली, बस स्टैण्ड तथा रेलवे स्टेशन क्षेत्र का भ्रमण कर निःशक्तजन कल्याण के लिए रैम्प, पेयजल, शौचालय आदि सुविधाओं का जायजा लिया। रजक ने अजाक थाना भवन में दिव्यांगों के लिए उनकी सुविधाओं से संबंधित जानकारी सूची का प्रदर्शन तथा दिव्यांगजनों से दुव्यर्वहार करने वालों के विरूद्ध प्रावधान के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। थाना कोतवाली के निरीक्षण के दौरान दिव्यांगजनों हेतु सुविधाओं की उपलब्धता के साथ ही थाना परिसर में स्थापित महिला डेस्क में रैम्प बनाने तथा थाने में दिव्यांगों के लिए प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की जानकारी का फ्लैक्स लगाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दिव्यांग शिकायतकर्ताओं के साथ उचित व्यवहार,

आवश्यक सहयोग, बाधारहित सुविधाएँ, पेयजल आदि की सुविधाएँ सुनिश्चित करें। बस स्टैण्ड के निरीक्षण के दौरान रजक ने बसों का जायजा लिया। विकलांगों के लिए 50 प्रतिशत छूट संबंधी जानकारी का प्रदर्शन बसों में नही पाए जाने पर आरटीओ को बसों में दिव्यांगों के लिए सीटों के आरक्षण तथा 50 प्रतिशत छूट की जानकारी प्रदर्शित करने बसों के स्टॉफ को निःशक्तजन कल्याण के लिए परिवहन आयुक्त द्वारा जारी आदेश का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बस स्टैण्ड में साफ-सफाई तथा सुलभ काम्पलेक्स में रैम्प के बेहतर निर्माण, गंदगी फैलाने वालों के विरूद्ध जुर्माने की कार्यवाही करने तथा सामाजिक संगठनों, व्यापारियों के सहयोग से पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

आयुक्त ने रेलवे स्टेशन में निःशक्तजन सुविधाओं का लिया जायजा: आयुक्त रजक ने नागरिकों के द्वारा अनूपपुर रेलवे स्टेशन में निःशक्तजन के लिए फुट ओव्हर ब्रिज नही होने तथा अन्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी दिए जाने पर शिकायतों का संज्ञान लेते हुए अनूपपुर रेलवे स्टेशन का भ्रमण कर जायजा लिया और निःशक्तजन की सुविधाओं के लिए निर्धारित मानक के रैम्प के निर्माण कराए जाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अनूपपुर रेलवे स्टेशन के मुख्य स्टेशन प्रबंधक, जीआरपी, आरपीएफ स्टॉफ भी उपस्थित थे। आयुक्त रजक ने प्लेटफार्म क्रमांक 1 से 2 में जाने वाले फुट ओव्हर ब्रिज के मरम्मत का कार्य जल्द से जल्द कराकर यात्री सुविधाओं को बहाल करने को कहा। उन्होंने निःशक्तों के लिए आरपीएफ थाने में, जीआरपी थाने में रैम्प के निर्माण के निर्देश दिव्यांग शौचालय तथा जीआरपी चौकी का निरीक्षण भी किया। उन्होंने जीआरपी चौकी में चौकी प्रभारी के लिए चौकी उपलब्धता के निर्देश भी दिए जिससे दिव्यांगजन सहजता से अपनी समस्याएँ चौकी प्रभारी को अवगत करा सकें।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक मनीष मेहता द्वारा साई प्रिंटर्स ऑफसेट एवं वेब प्रिंटिंग म0न0 91, शॉप नम्बर 3 ,मोमिनपुरा, जिन्सी , पुलिस चौकी के पास, भोपाल से मुद्रित एवं 24/1 सी सेक्टर , साईनाथ नगर कोलार रोड,भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित, संपादक मनीष मेहता, स्थानीय संपादक आदर्श संजर श्रीवास्तव, प्रबंध संपादक-कविता मेहता, सह संपादक-प्रियंका सिंह, दिल्ली ब्यूरो सतीश मेहता, फोन 9926390900, 6268099707, email- journalistdesk@gmail.com, सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र भोपाल रहेगा।